राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 300 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,05 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

संक्षिप्त समाचार

मीडियाकर्मियों को कोरोना वैक्सीनेशन में दी जाए प्राथमिकता : योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा फैसला लिया। मुख्यमंत्री योगी ने मीडिया कर्मियों को कोरोना वैक्सीनेशन में प्राथमिकता देने को कहा है। उन्होंने आदेश दिये हैं कि अलग सेंटर बनाकर या जरूरत हो तो उनके कार्य स्थलों पर जाकर उनके 18 प्लस के परिजनों का एक साथ फ्री वैक्सीनेशन किया जाए। बता दें कि कोरोना काल में मीडिया कर्मी लगातार लोगों तक खबरें पहुंचाने के दौरान संक्रमित हो रहे हैं।

ओवैसी ने ममता को दी यह नसीहत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की वापसी के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के दफ्तरों और कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं। बीजेपी का कहना है कि मतगणना के बाद उसके कम से कम 9 कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई है। उनके घरों और दुकानों में लूटपाट की जा रही है तो आगजनी और तोड़फोड़ की भी कई घटनाएं हुई हैं। इस बीच, ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने हिंसक घटनाओं की निंदा करते हुए ममता बनर्जी को नसीहत दी है कि लोगों की जिंदगी बचाना उनका पहला कर्तव्य है।

सीएम योगी को मिली जान से मरने की धमकी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के फायर ब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ को कथित तौर पर अज्ञात व्यक्ति से मौत की धमकी मिली है, जिन्होंने चेतावनी दी थी कि उनके पास केवल चार दिन बचे हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश पुलिस के व्हाट्सएप आपातकालीन डायल नंबर 112 पर यह धमकी मिली थी जिसके बाद सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कर उस नंबर का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार, पुलिस ने व्यक्ति का पता लगाने के लिए एक निगरानी दल तैनात कर व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम का गठन किया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि धमकी 29 अप्रैल की शाम को मिली थी।

'प्रजातांत्रिक तरीके से करेंगे लड़ाई, बीजेपी कार्यकर्ताओं की शहादत नहीं जाएगी बेकार' बोले जेपी नड्डा

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में रविवार को घोषित किए गए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही राज्य के अधिकांश हिस्सों में हिंसा देखने को मिल रही है. बीजेपी का दावा है कि इस हिंसा के पीछे तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी है. वहीं बंगाल की इस हिंसा में मारे गए बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने मंगलवार को कोलकाता पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने टीएमसी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि हम लोकतांत्रिक तरीके से जंग को तैयार हैं.

जेपी नड्डा ने कहा, पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद हमने जो घटनाएं देखी हैं उन्होंने हमें चौंकाया और चिंतित किया है. मैंने सुना था कि ऐसी घटनाएं भारत के विभाजन के दौरान हुई थीं. हमने अब तक स्वतंत्र भारत में चुनाव नतीजों के बाद इस तरह की असहनशीलता नहीं देखी है.

बीजेपी अध्यक्ष ने कहा, हम इस वैचारिक लड़ाई को लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं. साथ ही हम टीएमसी की असहनशीलता वाली गतिविधियों के खिलाफ भी लड़ेंगे. हम लोकतांत्रिक तरीके से जंग को तैयार हैं. अब मैं थोड़ी देर बाद दक्षिण 24 परगना जाऊंगा और उन बीजेपी कार्यकर्ताओं के घर जाकर परिजनों से मिलूंगा जिन्होंने चुनाव नतीजों के कुछ घंटे बाद ही अपनी जान गंवा दी.

वहीं बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और पश्चिम बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने बीजेपी कार्यकर्ता के घर का दौरा किया. बीजेपी का आरोप है कि टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने इस कार्यकर्ता के घर पर तोड़फोड़ की है.

बता दें कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के एक दिन बाद सोमवार को बड़े पैमाने पर हिंसा देखने को मिली जिसमें कथित तौर पर झड़प और दुकानों को लूटे जाने के दौरान कई बीजेपी कार्यकर्ताओं की मौत हो गई तो कई घायल हो गए. बीजेपी ने एक पार्टी कार्यालय में कथित आगजनी का वीडियो साझा किया है जिसमें बांस की बल्लियां और छत जलती हुई नजर आ रही हैं तथा परेशान लोगों को चिल्लाते हुए भागते देखा जा सकता है.

हिंसा के खिलाफ आज कोलकाता में देंगे धरना- आज भी कोलकाता व आसपास के क्षेत्र में हिंसा प्रभावित भाजपा कार्यकर्ताओं के परिवार से मिलने का उनका कार्यक्रम है। वहीं, भाजपा ने बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के खिलाफ पांच मई, बुधवार को पूरे देश भर में धरना देने की भी घोषणा की है। कोलकाता में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा धरने पर बैठेंगे। पार्टी की ओर से कहा गया है कि कोरोना के नियमों का पालन करते हुए धरना दिया जाएगा। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने सर्वप्रथम जानकारी दी कि पार्टी अध्यक्ष नड्डा बंगाल का दौरा करेंगे।

दरअसल, माना जा रहा है कि इस दौरे के जरिए भाजपा अध्यक्ष बंगाल में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं करने और हमले के मद्देनजर भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश करेंगे। विजयवर्गीय ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे के दौरान बंगाल में हमारे नौ कार्यकर्ताओं की तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने हत्या कर दी है। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की शह पर भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में पूरी तरह अराजकता है। ऐसी अराजकता मैंने आज तक अपने जीवन में नहीं देखी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस चुनाव जीतने वाले हमारे विधायकों को धमकी दे रही है। उन्होंने दावा किया कि कोलकाता से लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों पर हमले व तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया गया है। घरों से सामान भी लूटे जाने का उन्होंने दावा किया। उल्लेखनीय है कि बंगाल में रविवार को आए चुनाव नतीजों में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की प्रचंड जीत के बाद से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में हिंसा व आगजनी का दौर जारी है। भाजपा के कई पार्टी कार्यालयों को भी फूंक दिया गया है। इसके अलावा कई भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों को भी आग के हवाले कर दिया गया है।

दिल्ली में 10 महीने के दौरान नहीं खरीदे गए एक भी वेंटिलेटर, आरटीआइ के जवाब में सामने आई बात

नई दिल्ली । कोरोना के संक्रमण के बीच अस्पताल इन दिनों संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। अस्पतालों में वेंटिलेटर बेड व ऑक्सीजन की कमी बनी हुई है। यहां तक कि जरूरत मंद मरीजों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर लोगों को नहीं मिल पा रहा है। इस बीच एक आरटीआइ के जवाब में यह बात सामने आई है कि पिछले 10 माह में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के सेंट्रल प्रोक्यूरमेंट एजेंसी (सीपीए) ने एक भी वेंटिलेटर नहीं खरीदी है। जुलाई के बाद ऑक्सीजन सिलेंडर भी नहीं खरीदे गए हैं। यह हाल तब है जब जुलाई में कोरोना की पहली लहर खत्म होने के बाद दिल्ली के लोग चौथी लहर की मार झेल रहे हैं। इसका मतलब यह हुआ कि दिल्ली में अगस्त-सितंबर के बीच कोरोना की दूसरी लहर व नवंबर-दिसंबर में कोरोना की तीसरी लहर के दौरान आगे की जरूरतों को ध्यान में रखकर खास तैयारी नहीं की गई। इसका खामियाजा दिल्ली के लोग भुगत रहे हैं।

दरअसल, आरटीआइ कार्यकर्ता विवेक पांडेय ने 18 अप्रैल को आरटीआइ दायर कर स्वास्थ्य विभाग से पूछा था कि दिल्ली सरकार ने जुलाई 2020 से अप्रैल 2021 के बीच कितने वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर व टैंक की खरीद की। जवाब में सीपीए ने बताया है कि जुलाई 2020 से अप्रैल 2021 के बीच एक भी वेंटिलेटर नहीं खरीदे गए। वहीं जुलाई 2020 में 4500 ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदे गए। जिस पर चार करोड़ 15 लाख 79 हजार 908 रुपये खर्च हुआ।

विवेक पांडेय ने कहा कि इस आरटीआइ से यह जानने की कोशिश थी कि दिल्ली में कोरोना की पहली लहर के बाद व्यवस्था बेहतर करने के लिए कितना काम किया गया? लेकिन आइटीआइ का जवाब हैरान करने वाला है। जवाब से यह साफ है कि जुलाई 2020 के बाद ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने की भी जरूरत नहीं समझी गई। लिहाजा, कोरोना की मौजूदा लहर से निपटने के लिए बिल्कुल तैयारी नहीं की गई थी।

पंजाब पर भारी कोरोना की दूसरी लहर, हर दिन दोगुनी हो रही नए मरीजों की संख्या

चंडीगढ़ । पंजाब में कोरोना की दूसरी लहर अधिक प्रभावशाली है. राज्य में पहली लहर के मुकाबले दूसरी लहर में नए मरीजों की संख्या में रोजाना दोगुनी से अधिक वृद्धि हुई है. अगर आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो पता चलता है कि बीते सप्ताह से पंजाब में औसतन कोरोना के करीब 6500 मामले आ रहे हैं जबकि बीते साल पहली लहर में कोरोना सितंबर में पीक पर था तो केवल 2800 के आसपास कोरोना के नए मरीज आ रहे थे. यह राज्य में बहुत ही भयावह स्थिति है और लोग अभी भी कोरोना वायरस को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं.

14 जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी- इस समय 48,529 मरीजों को घरेलू आइसोलेशन में रखा गया है और जिला टीमों द्वारा उनको किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक मरीजों को 7,000 फूड किट मुहैया करवाई जा चुकी हैं. सरकार ने कोविड के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए एल-2 और एल-3 बेडों की संख्या बढ़ाने के लिए भी कहा है क्योंकि राज्य के कुल 22 जिलों में से 14 में पॉजिटिविटी दर 10 प्रतिशत से अधिक है. राज्य में कोविड के गंभीर मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने की तरफ एक और कदम बढ़ाते हुए और कोविड-19 की दूसरी लहर के साथ प्रभावशाली ढंग से निपटने के लिए पंजाब सरकार द्वारा जिलों को 809 और वेंटिलेटर मुहैया करवाए गए हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से अधिकांश वेंटिलेटर ऑपरेट करने के लिए स्टाफ ही उपलब्ध नहीं है.

राज्य में अभी भी मेडिकल ऑक्सीजन की कमी चल रही है. जिसे लेकर मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह केंद्र सरकार को कई बार पत्र लिख चुके हैं. पंजाब सरकार बोकारो और देश के अन्य हिस्सों से मेडिकल ऑक्सीजन की सप्लाई और बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार के साथ तालमेल कर रही है. इसके अलावा राज्य खुद भी ऑक्सीजन के उत्पादन में विस्तार कर रहा है.

पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा को लेकर ममता बनर्जी ने बुलाई अहम बैठक

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव के बाद राज्य में हुई हिंसा के मद्देनजर मंगलवार को एक अहम बैठक बुलाई है. इस बैठक में मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और कोलकाता के पुलिस कमिश्नर शामिल होंगे. गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के एक दिन बाद सोमवार को व्यापक पैमाने पर हिंसा देखने को मिली जिसमें कथित तौर पर झड़प और दुकानों को लूटे जाने के दौरान कई भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत हो गई और कई घायल हो गए.

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटना में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है. भाजपा ने एक पार्टी कार्यालय में कथित आगजनी का वीडियो साझा किया है जिसमें बांस की बल्लियां और छत जलती हुई नजर आ रही है तथा परेशान लोगों को चिल्लाते हुए भागते देखा जा सकता है. सोशल मीडिया पर मृत व्यक्तियों की तस्वीरें और एक दुकान से कपड़े लूट कर भागते लोगों की फुटेज वायरल हो रही है.

भाजपा ने किया है ये दावा- भाजपा का दावा है कि उसके कम से कम छह कार्यकर्ता और समर्थक हमलों में मारे गए हैं जिनमें एक महिला भी शामिल है. भाजपा इसका आरोप तृणमूल पर लगा रही है. भाजपा ने पत्रकारों के साथ एक वीडियो साझा किया है जिसमें नंदीग्राम में पार्टी दफ्तर में हुई तोड़फोड़ को दिखाया गया है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से चुनाव हार गई थीं. अधिकारियों ने बताया कि बर्द्धमान जिले में रविवार और सोमवार को तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के समर्थकों में कथित झड़प में चार लोगों की मौत हो गई. तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि मारे गए लोगों में तीन पार्टी के समर्थक थे.

बंगाल में हिंसा को लेकर पीएम मोदी ने राज्यपाल से जताई नाराजगी- पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे बात की और चुनाव के बाद कई जिलों से हिंसा की खबरों के मद्देनजर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गहरा क्षोभ प्रकट किया. धनखड़ ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री ने फोन पर बातचीत में कानून-व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति पर गहरा क्षोभ प्रकट किया. मैंने प्रधानमंत्री से हिंसा, लूटपाट, आगजनी की घटनाओं, हत्याओं पर गहरी चिंता व्यक्त की.

राज्यपाल ने ट्वीट कर सवाल किया, पश्चिम बंगाल पुलिस को लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली राजनीतिक हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी, हत्याओं को रोकना चाहिए. चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में ही हिंसा क्यों होती है लोकतंत्र पर हमला क्या हो रहा है धनखड़ ने कहा, खौफनाक हालात की खबरें मिल रही है. डर के कारण लोग जान बचाने के लिए भाग रहे हैं.

चुनाव बाद हुई हिंसा को लेकर राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने प्रदेश के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और कोलकाता के पुलिस आयुक्त को तलब कर उन्हें शांति बहाल करने के निर्देश दिये. उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की सत्ता में वापसी के एक दिन बाद हुई इन घटनाओं के बाद की स्थिति पर अफसरों से चर्चा की.

धनखड़ ने गृह सचिव एके द्विवेदी से मुलाकात के बाद ट्वीट किया, राज्य में चुनाव के बाद हिंसा की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर मैंने एसीएस गृह को तलब किया था और उन्हें चुनाव बाद हुई राज्य में हुई हिंसा व तोड़फोड़ तथा उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट देने को कहा गया है. उन्होंने अलग से राज्य के पुलिस महानिदेशक पी नीरजनयन और पुलिस आयुक्त सोमेन मित्र से मुलाकात की और उन्हें कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए सभी कदम उठाने का निर्देश दिया.

बंगाल में अहंकार की वजह से हारी बीजेपी, महाराष्ट्र में असहिष्णुता पड़ गई भारी- शिवसेना

मुंबई । बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीदों के मुताबिक परिणाम न मिलने पर कभी उसकी सहयोगी पार्टी रही शिवसेना ने हमला बोला है। शिवसेना ने कहा है कि बीजेपी को अहंकार के चलते पश्चिम बंगाल में हार का सामना करना पड़ा है। यही नहीं अपने मुखपत्र सामना में शिवसेना ने कहा कि महाराष्ट्र में असहिष्णुता के चलते बीजेपी सत्ता से बाहर हुई है। शिवसेना की ओर से यह टिप्पणी बीजेपी द्वारा एनसीपी के मंत्री छगन भुजबल पर हमले के बाद आया है। बीजेपी की ओर से छगन भुजबल को चेतावनी देते हुए कहा गया था कि उन्हें बीजेपी के खिलाफ बोलने से पहले सोच-समझ लेना चाहिए।

दरअसल छगन भुजबल ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की लीडरशिप वाली टीएमसी के मुकाबले बीजेपी के पिछड़ने को लेकर तंज कसा था। अब शिवसेना की ओर से इसी मुद्दे पर बीजेपी पर तंज कसा गया है। 2019 में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी और शिवसेना के रिश्ते सीएम पद को लेकर बिगड़ गए थे। राय में शिवसेना से यादा सीटें लाने के चलते बीजेपी की ओर से सीएम पद पर दावा किया जा रहा था। वहीं शिवसेना का कहना था कि इस पद पर उसका हक है। इसके चलते ही दोनों दलों के बीच टकराव तेज हो गया था और अंत में दोनों की राहें अलग हो गई थीं।

इसके बाद शिवसेना ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार गठन किया था। रविवार को बंगाल में आए चुनाव नतीजों में बीजेपी को 292 सीटों में से 77 पर जीत मिली है, जबकि टीएमसी को 213 सीटों पर विजय हासिल हुई है। सामना के संपादकीय में भुजबल की टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा गया है कि उन्होंने ममता बनर्जी की तारीफ की थी और इसमें आखिर गलत क्या था। इसे बीजेपी का अहंकार बताते हुए शिवसेना ने कहा कि इसी के चलते बंगाल में उसे हार मिली है। यही नहीं शिवसेना ने कहा कि बंगाल में हार के चलते ही बीजेपी पंढरपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में मिली जीत का जश्न भी नहीं मना पा रही है।

शिवसेना बोली, उपचुनाव में हार गए, पर हमने धमकी नहीं दी

बता दें कि महाराष्ट्र की पंढरपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी के समाधान औताड़े ने जीत हासिल की है। उन्होंने महाविकास अघाड़ी के कैंडिडेट 3,700 से यादा वोटों से मात दी है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र में कहा कि महाविकास अघाड़ी को पंढरपुर में हार मिली है और हर किसी ने बीजेपी और विजेता कैंडिडेट को जीत पर बधाई दी है। लेकिन अघाड़ी के किसी नेता ने जीत दर्ज करने वाले को बधाई देने वाले किसी व्यक्ति को धमकी नहीं दी है।

राहुल गांधी बोले- कोरोना से बचने का सिर्फ एक ही रास्ता, फुल लॉकडाउन

नई दिल्ली । बीते साल कोरोना की रोकथाम के लिए लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन की आलोचना करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अब कहा है कि कोरोना के प्रसार से बचने के लिए अब फुल लॉकडाउन ही एकमात्रा रास्ता बचा है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भारत सरकार की निष्क्रियता की वजह से मासूम लोगों की जान जा रही है।

राहुल गांधी ने कोरोना से निपटने के लिए खराब प्रबंधन के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट किया, भारत सरकार समझ नहीं रही। इस स्थिति में कोरोना को फैलने से रोकने का एकमात्र रास्ता पूर्ण लॉकडाउन है। भारत सरकार की निष्क्रियता से कई मासूम लोग मर रहे हैं।

बीते कई हफ्तों से राहुल गांधी कोरोना से निपटने को लेकर केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर हमला बोल रहे हैं। सोमवार को भी कर्नाटक के जिला अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी की वजह से 24 मरीजों के मारे जाने को राहुल गांधी ने हत्या करार दिया था।

बता दें कि इस बीच मंगलवार को भारत में कोरोना वायरस के 3 लाख 57 हजार 229 नए मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, देश में कोरोना के कुल संक्रमितों का आंकड़ा 2 करोड़ के पार हो गया है। वहीं, इस दौरान 3 हजार 449 लोगों ने कोरोना की वजह से दम तोड़ दिया है।

अमृतसर के अनाज मंडी में भारी बारिश के बाद गेहूं के ढेर के पास जमा बारिश के पानी को निकालने के लिए एक कार्यकर्ता कोशिश करता है।

कार्टून

बंगाल में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमले, ओवैसी ने ममता को दी नसीहत

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की वापसी के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के दफ्तरों और कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं। बीजेपी का कहना है कि मतगणना के बाद उसके कम से कम 9 कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई है। उनके घरों और दुकानों में लूटपाट की जा रही है तो आगजनी और तोड़फोड़ की भी कई घटनाएं हुई हैं। इस बीच, ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने हिंसक घटनाओं की निंदा करते हुए ममता बनर्जी को नसीहत दी है कि लोगों की जिंदगी बचाना उनका पहला कर्तव्य है।

ओवैसी ने कहा, जीवन का अधिकार मौलिक अधिकार है। किसी भी सरकार का पहला कर्तव्य लोगों की जिंदगी बचाना है। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, वे अपने मौलिक कर्तव्य में विफल हैं। देश के किसी भी हिस्से में, लोगों की जिंदगी बचाने में किसी भी सरकार की असफलता की हम निंदा करते हैं।

इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को फोन करके कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दो दिन के बंगाल दौरे पर पहुंचे हैं। वह हिंसा में मारे गए बीजेपी कार्यकर्ताओं के घर जाएंगे। राज्य में तीसरी बार बहुमत हासिल करने वालीं ममता बनर्जी बुधवार को शपथ ग्रहण करने जा रही हैं।

यंगून में सैन्य शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान टायर जलाते और नारे लगाते हुए लोग।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री ब्लिंकन से की मुलाकात

लंदन, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ आमने-सामने की मुलाकात कर ब्रिटेन का अपना 4 दिवसीय दौरा आरंभ किया। जयशंकर ने कोविड-19 से निपटने में भारत का सहयोग करने के लिए ब्लिंकन का धन्यवाद दिया। जयशंकर ने ट्वीट किया कि मंगलवार से शुरू हो रहे जी7 देशों के विदेश एवं विकास मंत्रियों के शिखर सम्मेलन से पहले उन्होंने और ब्लिंकन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और म्यांमा संबंधी मामलों पर चर्चा की। भारत को कोविड-19 चुनौती से निपटने में अमेरिका से मिल रही मदद, विशेषकर ऑक्सीजन और रेमडेसिविर दवा की आपूर्ति पर वार्ता के दौरान ध्यान केंद्रित किया गया।

जयशंकर ने ट्वीट किया, अपने पुराने मित्र विदेश मंत्री ब्लिंकन से मुलाकात कर अच्छा लगा। उनके साथ वैश्विक कोविड-19 चुनौती पर विस्तार से वार्ता हुई और टीकों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने एवं विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा, मैंने इस मुश्किल समय में, खासकर ऑक्सीजन और रेमडेसिविर के मामले में भारत को अमेरिका से मिल रहे मजबूत सहयोग की सराहना की। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने वाशिंगटन में जारी एक बयान में बताया कि दोनों नेताओं ने भारत के लिए अमेरिकी मदद समेत कोविड-19 से निपटने के हालिया प्रयासों की समीक्षा की और इस वैश्विक महामारी के दौरान हर देश के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

प्राइस ने कहा कि जयशंकर और ब्लिंकन ने कोविड-19 चुनौती से निपटने और अमेरिका एवं भारत के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान ब्लिंकन ने जलवायु संकट से निपटने और हिंद-प्रशांत में अग्रणी साझेदार के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका की पुनः पुष्टि की। प्राइस ने कहा, उन्होंने जी7 के मेहमान देश के तौर पर और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने विभिन्न द्विपक्षीय एवं वैश्विक मामलों पर अमेरिका और भारत के बीच सहयोग जारी रखने की इच्छा जताई। इससे पहले जयशंकर ने इसे बहुत अच्छी बैठक करार दिया था। वह लंदन में ब्लिंकन के साथ संवाददाताओं के सामने आए और उन्होंने कहा, हमने सबसे पहले कोविड-19 हालात से निपटने में अमेरिका से मिल रहे मजबूत सहयोग पर बात की। हम इसकी बहुत सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, हमने टीकाकरण क्षमताओं को विस्तार देने में वैश्विक स्तर पर गठजोड़ के तरीकों पर चर्चा की। ब्लिंकन ने संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए कोविड-19 संकट के दौरान अमेरिका के लिए भारत के सहयोग का जिक्र किया। उन्होंने कहा, हमें अच्छी तरह याद है कि कोविड-19 के शुरूआती दिनों में भारत कितनी मजबूती से हमारी सहायता के लिए आगे आया था। ब्लिंकन ने कहा, हम इससे (कोविड-19 से) मिलकर लड़ रहे हैं और हर संभव मदद करने के लिए तैयार हैं।

चलते ट्रैफिक पर धड़ाम से गिरा मेट्रो ट्रैक, 23 लोगों की मौत 70 से ज्यादा घायल

मेक्सिको। मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी में एक मेट्रो लाइन के भरभरा कर गिरने से 23 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों घायल हुए हैं। सोमवार शाम को यह घटना उस वक्त हुई, जब मेट्रो लाइन के नीचे से ट्रैफिक गुजर रहा था और अचानक ही ट्रैक धड़ाम से गिर पड़ा। यह पूरा वाकया एक सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हो गया, जिसका फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मेक्सिको सिटी की मेयर क्लॉडिया शीनबॉम ने बताया कि इस घटना में 23 लोगों की मौत हुई है। शहर के सिविल डिफेंस डिपार्टमेंट ने ट्विटर पर बताया है कि इस दुर्घटना में करीब 70 लोग बुरी तरह से जख्मी भी हुए हैं। फिलहाल घटना स्थल पर बचाव कार्य जारी है। कुछ लोगों के मलबे में भी दबे होने की आशंका है, जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। मलबे से एक कार भी मिली है। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि मेट्रो रेल के कोच बीच हवा में लटक रहे हैं। घटनास्थल के आस-पास सायरन बज रहे हैं और लोगों की भीड़ जमा है। मिलिनियो टीवी द्वारा प्रसारित फुटेज में देखा जा सकता है कि पुल के क्षतिग्रस्त होकर गिरने से नीचे खड़ी कारें भी इसकी चपेट में आ गई है। वीडियो में आपातकालीन चिकित्सा कर्मचारियों और फायर फाइटर्स को घटनास्थल पर मलबे के नीचे से जीवित बचे लोगों की तलाश करते हुए देखा जा सकता है।इस मेट्रो लाइन का निर्माण तब किया गया था, जब विदेश मंत्री मासेलो एबरार्ड मेक्सिको सिटी के मेयर थे। एबरार्ड ने ट्विटर पर कहा कि मेट्रो के साथ आज जो कुछ भी हुआ है, वो बेहद ही दुखद घटना है। यह हादसा इतनी जल्दी में हुआ कि लोगों को रिएक्शन का टाइम ही नहीं मिला। इस हादसे के बाद मेट्रो के एलिवेटेड ट्रैक के निर्माण और उसकी मजबूती पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। घायल लोगों को अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के लिए एडमिट कराया गया है।

तीन फॉर्मूलों से भारत में थम जाएगी संक्रमण की रफ्तार

वाशिंगटन, (एजेंसी)। भारत कोरोना वायरस की दूसरी लहर की मार से जूझ रहा है। हर दिन लाखों लोग इस खतरनाक वायरस की चपेट में आ रहे हैं, तो वहीं हजारों की जान जा रही है। इस बीच, कोरोना संक्रमण की रफ्तार पर ब्रेक लगाने के लिए अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य विशेषज्ञ और व्हाइट हाउस के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ. एंथनी फाउची ने भारत को कुछ सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत इस तीन सूत्रीय फार्मूला को अपनाएगा, तो कोरोना संक्रमण की रफ्तार थम जाएगी। दुनिया में संक्रामक रोग के शीर्ष विशेषज्ञों में से एक माने जाने वाले डॉ. फाउची ने एक साक्षात्कार के दौरान भारत को महामारी से निपटने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि भारत में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू किया जाना चाहिए और व्यापक स्तर पर लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई जाए। साथ ही बड़ी संख्या में अस्थायी अस्पताल बनाए जाने चाहिए। डॉ. फाउची ने भारत को महामारी से निपटने में सैन्य बलों की मदद लेने की भी सलाह दी। उन्होंने सलाह दी कि तत्काल अस्थायी अस्पताल बनाने के लिए सशस्त्र बलों की सहायता ली जा सकती है।

डॉ. फाउची ने कहा कि चीन में जब पिछले साल गंभीर समस्या थी, तो उसने अपनी संसाधनों को बहुत तेजी से नए अस्पताल बनाने में जुटा दिया था ताकि वह उन सभी लोगों को अस्पताल मुहैया करा सके, जिन्हें भर्ती किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा कि अस्पताल में बिस्तरों की गंभीर कमी है और अस्थायी व्यवस्थाओं में लोगों की देखभाल की जा रही है। सात अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ काम कर चुके डॉ. फाउची ने सुझाव दिया कि भारत को अपनी सेना की मदद से उसी तरह फील्ड अस्पताल बनाने चाहिए, जैसे कि युद्ध के दौरान बनाए जाते हैं ताकि उन लोगों को अस्पताल में बिस्तर मिल सके, जो बीमार हैं और जिन्हें भर्ती किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार संभवतः यह पहले ही कर रही है।

इंग्लैंड में कंजरवेटिव पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार के दौरान सेल्फी खिंचाते हुए ब्रिटेन के बोरिस जोनसन।

चीन का विशालकाय रॉकेट अंतरिक्ष में अनियंत्रित होकर पृथ्वी की ओर बढ़ रहा

बीजिंग, (एजेंसी)। अंतरिक्ष में चीन लगातार एक के बाद एक कई रॉकेट लांच कर दुनिया की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। चीन ने अपने लॉन्ग मार्च 5बी रॉकेट को लांच किया। चीन का यह 21 टन वजनी विशालकाय रॉकेट अंतरिक्ष में अनियंत्रित होकर पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। चीन का यह खतरनाक रॉकेट कहां पर गिरेगा इसका अभी पता नहीं चल पाया है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीनी रॉकेट पृथ्वी पर अगर किसी आबादी वाले इलाके से टकराता है,तब भारी तबाही हो सकती है। आशंका है कि रॉकेट का मलबा न्यूयॉर्क, मैड्रिड और पेइचिंग जैसे शहरों में कहीं भी गिर सकता है।

विशेषज्ञों ने कहा है कि आने वाले कुछ दिनों में यह पृथ्वी पर कहीं भी गिर सकता है। पृथ्वी के चक्कर लगाने ऑब्जेक्ट की निगरानी करने वाले खगोलविद जोनाथन मैकडोवेल ने कहा कि अभी इस सैटलाइट का रास्ता न्यूयॉर्क, मैड्रिड, पेइचिंग से उत्तर की ओर और दक्षिण में चिली तथा न्यूजीलैंड की ओर ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस दायरे में यह चीनी रॉकेट कहीं भी टकरा सकता है। यह समुद्र या आम जनसंख्या वाले इलाके में गिर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि धरती के नजदीक आने पर इस चीनी रॉकेट का काफी हिस्सा जलकर राख हो जाएगा। सैटलाइट ट्रैकर ने पता लगाया है कि 100 फुट लंबा चीनी रॉकेट 4 मील प्रति सेकंड की रफ्तार से धरती की ओर बढ़ रहा है। चीन ने गुरुवार को इस रॉकेट की मदद से अंतरिक्ष में बनाए जाने वाले अपने स्पेस स्टेशन का पहला हिस्सा भेजा था। इस मॉड्यूल का नाम तियान्हे रखा गया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक 21 टन वजनी यह ऑब्जेक्ट चीन के लॉन्ग मार्च 5बी रॉकेट का मुख्य चरण है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को लांच होने के बाद यह रॉकेट समुद्र में पहले से निर्धारित जगह पर गिरने की बजाय धरती के चक्कर लगाने लगा। बताया जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में यह धरती पर गिरेगा। रॉकेट का यह मुख्य हिस्सा 100 फुट लंबा और 16 फुट चौड़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी रॉकेट का यह विशाल हिस्सा काफी कुछ पृथ्वी के वातावरण में जल जाएगा लेकिन इसका मलबा धरती पर कहीं भी गिर सकता है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब चीन का रॉकेट अंतरिक्ष में अनियंत्रित हुआ है। इससे पहले मई 2020 में लॉन्ग मार्च 5बी रॉकेट का मुख्य हिस्सा अनियंत्रित हो गया था और अटलांटिक महासागर के ऊपर उसका मलबा गिरा था। नासा ने चीनी रॉकेट के हादसे को वास्तविक रूप से खतरनाक बताया था। गिरने से पहले यह रॉकेट अमेरिका के लॉस एंजीलिस और न्यूयॉर्क शहर के ऊपर से गुजरा था।

महामारी में कम शिक्षित लोगों की नौकरियां ज्यादा सुरक्षित

लंदन, (एजेंसी)। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और कई अन्य देशों में महामारी ने सबसे ज्यादा असर निम्न-आय और कम शिक्षित लोगों की नौकरी पर डाला है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति भी खराब हुई है। पर कम और मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में इस वर्ग के लोगों की नौकरियां ज्यादा सुरक्षित रही हैं। इनमें यूरोप और एशिया के कई देश शामिल हैं। वैश्विक कंसल्टेंसी गैलप ने जुलाई 2020 से मार्च 2021 के दौरान दुनिया भर में किए गए सर्वे के आधार पर ये नतीजे निकाले हैं। इसमें करीब 117 देशों में कोरोना के असर का सर्वे किया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आम तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लंबे समय से यहीं समझाया है कि संक्रामक रोग और स्वास्थ्य संबंधी परिणाम सीधे तौर पर सामाजिक-आर्थिक स्थिति को संवेदनशीलता के साथ प्रभावित करते हैं। पर गैलप की रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी खास वर्ग को होने वाले नुकसान और महामारी के बीच सीधा संबंध हो, यह जरूरी नहीं है। बल्कि महामारी के बावजूद कम आय वाले देश नौकरियों को सुरक्षित रखने में ज्यादा आगे रहे क्योंकि वहां बड़े पैमाने पर छंटनियां नहीं हुईं। हालांकि इसकी एक बड़ी वजह उन देशों में कम आय या शिक्षा वाली आबादी में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी भी रही।

ऑस्ट्रेलिया ने अपने नागरिकों के भारत से लौटने पर लगाई रोक

मेलबर्न, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भारत से अपने वतन लौटने की कोशिश करने वाले ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों पर रोक लगाने और जेल की सजा तथा जुमार्ने का प्रावधान करने वाले फैसले का कहा कि यह फैसला देश के सर्वोत्तम हित में है और यह कोरोना वायरस की तीसरी लहर को रोकेगा। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने इतिहास में पहली बार, अपने उन नागरिकों के देश लौटने पर हाल में रोक लगा दी है जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया वापस आने से पहले भारत में 14 दिन बिताए हैं। सरकार ने धमकी दी है कि ऐसे लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा और पांच साल तक की जेल की सजा या 66,000 ऑट्रेलियाई डॉलर का जुमार्ना लगाया जाएगा। मॉरिसन ने कहा कि यह एक अस्थायी व्यवस्था है और बहुत मुश्किल फैसला है। उन्होंने कहा, यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि हमारे यहां ऑस्ट्रेलिया में (कोविड-19) की तीसरी लहर ना आए और हमारी पृथक-वास व्यवस्था मजबूत बनी रहे। उन्होंने कहा कि यह देश के सर्वोत्तम हित में है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें भारतीय समुदाय के लिए खराब महसूस होता है। मॉरिसन ने कहा, हमने हमारे होवर्ड स्प्रींग्स केंद्र में भारत से वापस आने वालों में संक्रमण दर में सात गुना का इजाफा देखा है। उन्होंने कहा, यह अहम है कि हम सुनिश्चित करें कि हमारे यहां अस्थायी रोक हो ताकि उन पृथक केंद्रों में व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा सके और जांच की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा सके और यह न सिर्फ भारत से रवाना होते हुए हो, बल्कि तीसरे देश से आने वाले लोगों के लिए भी हो। प्रधानमंत्री ने 2 जीबी रेडियो चैनल से कहा कि वे विशेष उड़ानों के जरिए पंजीकृत कराए गए करीब 20,000 लोगों को वापस देश लेकर आए हैं। विपक्ष के नेता एंथोनी अल्बानी ने ऑस्ट्रेलिया के लोगों को भारत में छोड़ने और वापस आने पर जुमार्ने तथा जेल की सजा देने के लिए प्रधानमंत्री की आलोचना की है।

तुर्की से बढ़ते तनाव के बीच, फ्रांस से 30 राफेल फाइटर जेट खरीदेगा मिस्र

काहिरा, (एजेंसी)। मिस्र ने फ्रांस के साथ 30 राफेल फाइटर जेट खरीदने का करार किया है। बताया जा रहा है कि यह करार कुल करीब 4.5 अरब डॉलर की होगी। मिस्र के रक्षा मंत्रालय और फ्रांस के बीच मंगलवार को इस बड़े सौदे का ऐलान हो सकता है। बताया जाता है कि अफ्रीका में तुर्की के खतरनाक मंसूबों को टक्कर देने के लिए मिस्र और फ्रांस के बीच यह समझौता हुआ है।

इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति ने दिसंबर माह में ऐलान किया था कि वह मिस्र की इलाके में हिंसा के खिलाफ कार्रवाई करने की क्षमता को कमजोर नहीं होने देंगे। मिस्र के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस डील को लोन के जरिए कम से कम 10 साल के लिए फाइनेंस किया जाएगा। इस डील के लिए मंगलवार को मिस्र का एक दल पेरिस पहुंचने वाला है। इससे पहले फ्रांस ने ग्रीस के साथ 18 राफेल फाइटर जेट बेचने का सौदा किया था। कतर और भारत भी फ्रांस से राफेल विमान खरीद चुके हैं। मिस्र राफेल डील के साथ 24 करोड़ डॉलर की मिसाइलें भी खरीद रहा है।

फ्रांस ने अभी इस सौदे पर कोई बयान नहीं दिया है। फ्रांस वर्ष 2013 से 2017 के बीच मिस्र का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता देश रहा था। मिस्र और फ्रांस के बीच सेना के पूर्व जनरल अल सीसी के सत्ता में आने के बाद बहुत घनिष्ठ संबंध रहा है। दोनों ही का पश्चिम एशिया में हित मिलते हैं। यही नहीं तुर्की के राष्ट्रपति एदोर्गान के संदिग्ध रुख के खिलाफ मिस्र और फ्रांस एक समान राय रखते हैं।

फ्रांस में स्कूल खुलने के बाद एक स्कूल में कतार लगाकर जाते हुए बच्चे।

दुनिया का सबसे अच्छा रहने लायक देश है सिंगापुर

सिंगापुर, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण ने दुनिया के ज्यादातर देशों को काफी प्रभावित किया है। वहां के लोगों को रहन-सहन और दिनचर्या बदली है। सरकारों ने भी कड़े कदम उठाकर संक्रमण पर काबू पाने की कोशिशें की है। इस लिहाज से यह देखा जाना चाहिए कि कौन-सा ऐसा देश है, जो कोविड के दौर में रहने लायक सबसे अच्छा देश कहा जा सकता है। ब्लूमबर्ग ने कई मानकों को ध्यान में रखते हुए रैंकिंग तैयार की है, जिसमें सिंगापुर पहले स्थान पर है। जबकि न्यूजीलैंड एक स्थान फिसलकर दूसरे स्थान पर आ गया है। सिंगापुर को यहां पहुंचाने के लिए इसके टीकाकरण प्रोग्राम की प्रमुख भूमिका है। वहीं न्यूजीलैंड की गति धीमी है। मौजूदा हालात में भारत की रैंकिंग भी गिरी है। सिंगापुर ने कोविड पर काबू पाने के लिए जिस तेजी और कड़ाई के साथ टीकाकरण अभियान चलाया, उससे काफी हद तक संक्रमण पर रोक लग सकी। इसके अलावा यहां बंदिशें जारी हैं। बाहर जाने के लिए नियम कड़े हैं और सीमा भी कड़ी सुरक्षा है। बाहर से आने वाले हर सामान की जांच होती है। इतना ही नहीं प्रवासी मजदूरों को भी कोविड जांच के बाद ही शहर में एंट्री दी जा रही हैं। फिलहाल पूरे इलाके में संक्रमण के मामले शून्य हैं। नागरिकों को घूमने-फिरने की छूट है लेकिन नियमों के साथ। वे लाइव कंसर्ट में भी जा सकते हैं और रेस्तरां भी। 60 लाख की कुल जनसंख्या वाले सिंगापुर में 15 फीसदी आबादी को दोनों डोज लग चुके हैं।

न्यूजीलैंड की बात करें तो सिंगापुर और उसके बाद ताइवान और ऑस्ट्रेलिया से उसकी कहानी अलग नहीं है। लेकिन वहां टीकाकरण धीमा पड़ रहा है। जबकि फ्रांस और चिली जैसे देशों में जहां लोगों को छूट मिली तो संक्रमण बढ़ता ही गया। पोलैंड और ब्राजील की स्थिति भी खराब है। कुल 53 देशों की सूची में दोनों देश आखिरी दो स्थान पर हैं। मैक्सिको 48वें स्थान पर है। उनके टीकाकरण कार्यक्रम में तेजी आई है। कोरोना की दूसरी लहर से प्रभावित भारत रैंकिंग में 10 अंक लुढ़कर 30वें स्थान पर गया है। भारत को टीकाकरण की गति बढ़ानी होगी। इस रैंकिंग में संक्रमण के मामले, मौतें, वैक्सीन, लोगों को आने-जाने की सुविधा और टीकाकरण की रफ्तार को मानक बनाया गया है।

ऑक्सीजन संकट पर दिल्ली हाईकोर्ट की केंद्र को फटकार

आप अंधे हो सकते हैं हम आंखें बंद नहीं कर सकते

नई दिल्ली । कोरोनावायरस के मामलों में उछाल के बीच राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी हो गई है. दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली सरकार को सुझाव दिया कि जैसे ब्लड बैंक होता है उसी तर्ज पर ऑक्सीजन सिलेंडर बैंक बनाया जा सकता है, जहां लोग ऑक्सीजन सिलेंडर जमा कर सकते हैं और जिन्हें जरूरत हो वहां से सिलेंडर ले सकते हैं. वहीं, ऑक्सीजन की कमी के मुद्दे पर अदालत ने केंद्र को फटकार लगाते हुए कहा कि आप इस पर अंधे हो सकते हैं हम अपनी आंखें बंद नहीं कर सकते.

हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को कहा कि वह इस पर काम करे और लोगों को समझाए कि वो जरूरत ना होने पर सिलेंडर बैंक में जमा कर दें. दिल्ली सरकार ने कहा कि ये एक अच्छा सुझाव है और इस पर निर्देश लेंगे. वहीं, एमिकस राजशेखर राव ने हाईकोर्ट बताया कि हमें अगले 3-4 दिनों में 480-520 मीट्रिक टन ऑक्सीजन मिल जाएगी और उम्मीद है कि हम अगले सात दिनों में 550-600 मीट्रिक टन को छू लेंगे, क्योंकि केंद्र और राज्य दोनों काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि अगर कुछ दिनों में दिल्ली में 100 मीट्रिक टन ऑक्सीजन रिजर्व रखा जाना चाहिए, जिसे SoS कॉल आए तो भेजा जाना चाहिए.

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र पर उठाया सवाल

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि आपको 700 मीट्रिक टन की आपूर्ति करनी है. अगर आप इसका पालन नहीं करते तो आप अवमानना के दायरे में होंगे. अब यह आपका काम है. टैंकर उपलब्ध हैं, लेकिन आप यह काम करने को तैयार नहीं हैं.

केंद्र की ओर से ASG चेतन शर्मा ने कहा कि हम आज सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी अनुपालन रिपोर्ट दाखिल कर रहे हैं. हम इस बात पर विचार नहीं करेंगे कि क्या यह 700 मीट्रिक टन की आपूर्ति करना है या सिर्फ ऑक्सीजन को पूरा करना है. केंद्र टैंकरों को आईआईटी या आईआईएम को सौंप दें, वो अच्छा काम करेंगे. केंद्र ने कहा कि 433 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आधी रात को दिल्ली पहुंचा. सुबह 8ः15 बजे 307 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आई. हम शाम तक उम्मीद करते हैं कि पर्याप्त ऑक्सीजन होगा.

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि जब लोग मर रहे हैं तो ये एक भावनात्मक मामला है. आप इस पर अंधे हो सकते हैं हम अपनी आंखें बंद नहीं कर सकते. यह दुखद है कि दिल्ली में ऑक्सीजन के अभाव में लोगों की जान जा रही है. आप इतने असंवेदनशील कैसे हो सकते हैं. जो दिल्ली सरकार कह रही है वो सिर्फ बयानबाजी नहीं है. दरअसल, दिल्ली सरकार ने कहा था कि केंद्र को 590 मीट्रिक टन ऑक्सीजन देनी है. लोग मर रहे हैं. इस पर एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि बयानबाजी में नहीं आना चाहिए.

पूरा देश ऑक्सीजन के लिए रो रहा है – दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि आज पूरा देश ऑक्सीजन के लिए रो रहा है. हमें नहीं पता कि भविष्य में आप इसे कैसे पूरा करेंगे. क्या अतिरिक्त टैंकरों का इंतजाम एक या दो हफ्ते में नहीं हो सकता. केंद्र को ऑक्सीजन आपूर्ति पर आईआईएम के विशेषज्ञों और जानकारों की मदद लेने की सलाह दी है, हाईकोर्ट ने कहा कि केंद्र महाराष्ट्र व अन्य राज्यों से ऑक्सीजन लाने पर विचार कर सकता है, जहां ऑवटिंत ऑक्सीजन से कम खपत है. केंद्र ने कहा कि वो इस पर विचार कर बताएंगे.

जस्टिस विपिन सांघी ने शेयर किए निजी अनुभव– दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि लोगों को समझ नहीं आ रहा कि बीमार होने पर क्या करें. कोई मदद करने वाला नहीं है. जस्टिस विपिन सांघी ने निजी अनुभव बताया कि मेरे एक कोर्ट स्टाफ ने अपनी पत्नी को अचानक खो दिया. वह ठीक नहीं थी. ना तो टेस्ट हुआ ना दवा ली. किसी ने सलाह नहीं दी. जस्टिस रेखा पल्ली ने भी कहा कि मेरे परिवार में यही हुआ. वो तो पढ़े लिखे हैं, लेकिन किसी ने बताया नहीं कि ऐसे हालात में क्या करना है. हाईकोर्ट ने कहा कि ICMR को एक संदेश तैयार कर प्रसारित करना चाहिए कि बीमार होने पर किससे संपर्क करें. कहां टेस्ट कराएं और क्या इलाज हो. केंद्र की ओर से ASG चेतन शर्मा ने भी कहा कि उनका भी यही अनुभव है.

ऑटो-टैक्सी चालकों को मिलेंगे 5000 रुपये, 72 लाख को दिया जाएगा 2 माह तक मुफ्त राशन; सीएम का एलान

नई दिल्ली । कोरोना वायरस संक्रमण पर काबू पाने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के चलते गरीब तबके के लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इसके मद्देनजर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 2 अहम निर्णय लिए हैं। इसके तहत दिल्ली में राशन लेने वाले 72 लाख लोगों को दो माह तक मुफ्त में राशन मिलेगा। इसके साथ ही ऑटो-टैक्सी चालकों को 5000 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे।

मंगलवार को डिजिटल पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कोरोना से निपटने के लिए हम लोगों ने लाकडाउन लगाया है, मगर यह गरीब लोगों के लिए संकट पैदा कर देता है। ऐसे में हम लोगों ने दो निर्णय लिए हैं। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल ने यह भी कहा कि दिल्ली में आटो टैक्सी चालकों को 5-5 हजार की मदद दी जाएगी। कोरोना की यह वेब बहुत खतरनाक है।

सभी लोग राजनीति छोड़ कर एक दूसरे की मदद करें। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली में साढ़े 19 लाख राशन कार्ड हैं। जिन पर 72 लाख लोगों के हिसाब से राशन मिलता है। सरकार की ओर से यह मदद इन लोगों को मिलेगी।

गौरतलब है कि असंगठित श्रमिकों की विभिन्न श्रेणी के प्रवासी मजदूरों को पर्याप्त राहत पहुंचाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को योजना बनाने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति आशा मनमोहन व न्यायमूर्ति आशा मेनन की पीठ ने कहा कि जिस तरह की महामारी चल रही है, ऐसे में वंचित वर्ग को पर्याप्त राहत देने के लिए प्रशासन द्वारा एक संरचित प्रतिक्रिया की जरूरत है।

अधिवक्ता अभिजीत पांडे की याचिका पर पीठ ने उक्त निर्देश दिए। अधिवक्ता वरुण सिंह के माध्यम से दायर याचिका में अभिजीत ने कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सभी प्रवासी कामगारों को अंतर राज्य प्रवासी अधिनियम के तहत धनराशि का भुगतान करने का निर्देश देने की मांग की। पीठ ने केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर याचिका पर जवाब मांगा है।

संक्षिप्त खबर

दिल्ली में शमशान घाट, कब्रिस्तानों की संख्या बढ़ाने को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने कोविड-19 के कारण रोज 'बड़ी संख्या' में लोगों की मौत के कारण शहर में शमशान घाट और कब्रिस्तानों की संख्या अस्थायी तौर पर बढ़ाने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर केंद्र और दिल्ली सरकार से मंगलवार को जवाब मांगा है. मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने केंद्र, दिल्ली सरकार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और नगर निकायों को नोटिस जारी कर उनसे याचिका पर जवाब मांगा है. अदालत ने प्राधिकारियों को याचिकाकर्ता प्रत्यूष प्रसन्न द्वारा उपलब्ध आंकड़ों पर विचार करते हुए अपने जवाब देने के निर्देश दिए हैं.

केजरीवाल का ऐलान-दिल्ली में 2 महीने तक मिलेगा मुफ्त राशन, ऑटो-टैक्सी वालों को मिलेंगे 5 हजार रुपये वकील स्निग्धा सिंह के जरिए दायर याचिका में प्रसन्न ने दावा किया, 'अस्पतालों में बिस्तरों और जांच किट तथा ऑक्सीजन आपूर्ति जैसे अन्य सामान की भारी कमी के कारण देश में खासतौर से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है.'याचिका में कहा गया है कि इसके चलते शमशान घाट और कब्रिस्तान भर गए हैं और शवों का अंतिम संस्कार करने में काफी वक्त लग रहा है. अतः शमशान घाट और कब्रिस्तानों की संख्या अस्थायी तौर पर बढ़ाने की आवश्यकता है.'

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में कोरोनावायरस से रिकॉर्ड मौतें, 18 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोनावायरस के मामले पिछले कुछ दिनों में भले ही कम हुए हों, लेकिन 24 घंटों में कोरोना से रिकॉर्ड मौतें हुई हैं. राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 448 मरीजों की मौत हुई है, जो किसी भी दिन अब तक का सबसे ज्यादा रिकॉर्ड है. पिछले 24 घंटे में कोरोना के 18,043 नए मामले दिल्ली में सामने आए हैं, जो 15 अप्रैल के बाद सबसे कम हैं. हालांकि पॉजिटिविटी रेट 29.56त्न रहा, जो रविवार से ज़्यादा है. पिछले 24 घंटे में 448 मौतों से कुल मृतकों का आंकड़ा 17,414 तक पहुंच गया है. दिल्ली में रिकवरी रेट 91.17त्न पर आ गया है और एक्टिव मरीज़ों की तादाद 7.38 फीसदी है. एक्टिव मामले 89,592 हो गए हैं. राजधानी में डेथ रेट 1.44त्न पर स्थिर है. जबकि पॉजिटिविटी रेट 29.56त्न के करीब है. पिछले 24 घंटे में 18,043 नए मामलों से अब तक कुल संक्रमितों की संख्या 12,12,989 तक पहुंच गई है. पिछले 24 घंटे में 20,293 मरीज ठीक हुए हैं. इससे कुल ठीक हुए मरीजों की संख्या11,05,983 तक पहुंच गई है. पिछले 24 घंटों में 61,045टेस्ट हुए हैं और अब तक हुए कुल टेस्ट1,73,64,607 तक हो गए हैं. गौरतलब है कि राजधानी दिल्ली में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच केजरीवाल सरकार लॉकडाउन को पहले ही एक हफ्ते के लिए और बढ़ा चुकी है. हालांकि दिल्ली के अस्पतालों में ऑक्सीजन और आईसीयू बेड की कमी का संकट बना हुआ है. दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कमी से भी मरीज कराह रहे हैं. कई कोविड केयर सेंटर खोले गए हैं, लेकिन वहां पर्याप्त इंतजाम न होने से मरीज और उनके तीमारदार परेशान हैं. केंद्र सरकार ने भी सोमवार को कहा है कि दिल्ली दिल्ली और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में दैनिक मामलों में स्थिरता के बहुत प्रारंभिक संकेत मिले हैं और कोरोना वायरस के संक्रमण की चेन को तोड़ने के प्रयास जारी हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, झारखंड और उत्तर प्रदेश में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के संकेत मिल रहे हैं. बिहार, राजस्थान, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में दैनिक मामलों में वृद्धि हो रही है.

दिलशाद गार्डन वार्ड को 12 खंड बांटकर रोजाना किया जा रहा सैनिटाइजेशन

नई दिल्ली । राजधानी में कोरोना संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा हैं। आए दिन नए मामले सामने आ रहे हैं। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने एक बार फिर कमान संभाल ली है। दिलशाद गार्डन वार्ड को पार्षद वीर सिंह पंवार ने 12 खंड में बांट दिया है। यहां मंडल अध्यक्ष विकास हांडा के साथ मिलकर निगम के कर्मचारी रोजाना दो खंड को सैनिटाइज कर रहे हैं। पार्षद बीएस पंवार ने कहा कि भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में वार्ड को कोरोना मुक्त रखने के लिए करीब एक सप्ताह से विशेष सैनिटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को स्वामी दयानंद अस्पताल के अलावा दिलशाद गार्डन के ए, सी व डी ब्लाक को सैनिटाइज किया गया। मंडल अध्यक्ष विकास हांडा ने बताया कि अभियान के दौरान लोगों से अपील की जा रही है कि सभी लोग कोरोना से बचाव के लिए घरों में रहें। नियमों का पालन करें। वार्ड में जिन घरों में कोरोना मरीज क्वारंटाइन हैं उन्हें भी विशेष रूप से सैनिटाइज करवाया जा रह है, ताकि आस पड़ोस में संक्रमण न फैले। साथ ही उन घरों के कूड़े को उठाने के लिए भी अलग से दो कर्मचारी लगाए हुए है जो सिर्फ क्वारंटाइन मरीजों के घरों का कूड़ा उठा रहे हैं।

प्लाज्मा, ब्लड, और दवाओं के अलावा अन्य जरूरतों के लिए आरएसएस के हेल्पलाइन नंबर पर करें फोन

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर के बीच एक तरफ जहां सरकार और प्रशासन के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं उससे जुड़े संगठन लगातार समाज सेवा कर रहे हैं। सेवा भारती के द्वारा दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर लोगों को राशन, दवाएं, प्लाज्मा, रक्त और अन्य अपरिहार्य जरुरत पूरी की जा रही है। इसके लिए सेवा भारती ने हेल्पलाइन नम्बर- 8010066066 जारी किया है। हेल्पलाइन के जरिए डॉक्टरों से परामर्श (टेलीमेडिसिन), भोजन के पैकेट, बाजार में उपलब्ध दवाएं आदि उपलब्ध करवाई जा रही हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक अब तक हेल्पलाइन नंबर के जरिए 45,650 कॉल मिल चुकी हैं। इसी तरह प्लाज्मा के लिए 7,600 अनुरोध आया है। हेल्पलाइन से मिले कॉल के अनुसार 437 लोगों को प्लाज्मा का सहयोग किया गया। इस पूरे अभियान में 130 डॉक्टरों का सहयोग मिला है, जो लोगों को जरूरी चिकित्सकीय परामर्श भी दे रहे हैं। जबकि 850 कार्यकर्ता हेल्पलाइन के जरिए फोन रिसीव करने व अग्रेषित करने में जुटे हैं।

एमसीडी ने आप सरकार पर लगाए आरोप, कहा-18+ में नगर निगम के वैक्सीनेशन सेंटर्स नहीं किये शामिल

नई दिल्ली । केंद्र सरकार की ओर से कोरोना वैक्सीनेशन के लिए तीसरे चरण के तहत 18 साल से ऊपर के लोगों को वैक्सीन लगाने के अभियान को शुरू किया गया है. लेकिन दिल्ली में वैक्सीन लगवाने के लिए बनाए गए सेंटरों को लेकर अब दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के बीच खींचतान पैदा हो गई है. दिल्ली नगर निगम की ओर से दिल्ली सरकार पर वैक्सीनेशन सेंटर बनाने को लेकर राजनीति करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं.

पूर्वी दिल्ली के मेयर निर्मल जैन ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कोरोना माहमारी के संकट की इस घड़ी में केवल राजनीति कर रही है. उन्होंने बताया कि कोरोना की रोकथाम के लिए 18 से 44 आयु वर्ग के लोगों के टीकाकरण के लिए दिल्ली सरकार ने 77 टीकाकरण केन्द्रों की जो सूची जारी की है. उसमें पूर्वी दिल्ली नगर निगम के टीकाकरण केन्द्रों का नाम शामिल नहीं किया गया है. मेयर ने कहा कि दिल्ली सरकार इस विकट समय में भी राजनीतिक द्वेष की भावना से काम कर रही है.

मेयर निर्मल जैन ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए 45 वर्ष से अधिक आयु के वर्ग के टीकाकरण के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम के बड़े अस्पतालों, मातृ एवं प्रसूति केन्द्रों सहित 20 केन्द्रों के 25 स्पॉट्स पर टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है.

उन्होंने कहा पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा अपने अधीन टीकाकरण केन्द्रों पर लगभग एक लाख लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है. लेकिन दिल्ली सरकार द्वारा 18 से 44 आयुवर्ग टीकाकरण के लिए निर्धारित टीकाकरण केन्द्रों में पूर्वी निगम के केन्द्रों को शामिल ही नहीं किया गया बल्कि पूर्वी निगम के 20 केन्द्रों में से 6 केन्द्रों को सूची से निकाल दिया गया है, जिन पर 45 साल से अधिक आयुवर्ग के लोगों को टीका लगाया जा रहा है.

मेयर निर्मल जैन ने कहा कि दिल्ली में 18 से 44 आयु वर्ग के लगभग 60-65 प्रतिशत नागरिक है जिनके टीकाकरण के लिए एक पूरी रणनीति के साथ अधिक केन्द्रों की आवश्यकता है. लेकिन ऐसा लगता है कि दिल्ली सरकार को दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य से कोई सरोकार नहीं है. जैन कहा कि कोरोना त्रासदी में जब लोग इस बीमारी के कारण अपनी जान गंवा रहें हैं ऐसे समय में केवल राजनीति करना घोर निंदा का काम है.

मेयर ने कहा कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अपने उपलब्ध संसाधनों के अनुसार हरसंभव कार्य कर रहा है और इस दिशा में में कार्य करते हुए पूर्वी निगम द्वारा 1 मई से शुरू होने वाले टीकाकरण अभियान के लिए भी सारी तैयारियां कर ली थी. इसके अन्तर्गत टीकाकरण केन्द्रों की संख्या भी बढ़ा दी गई थी.

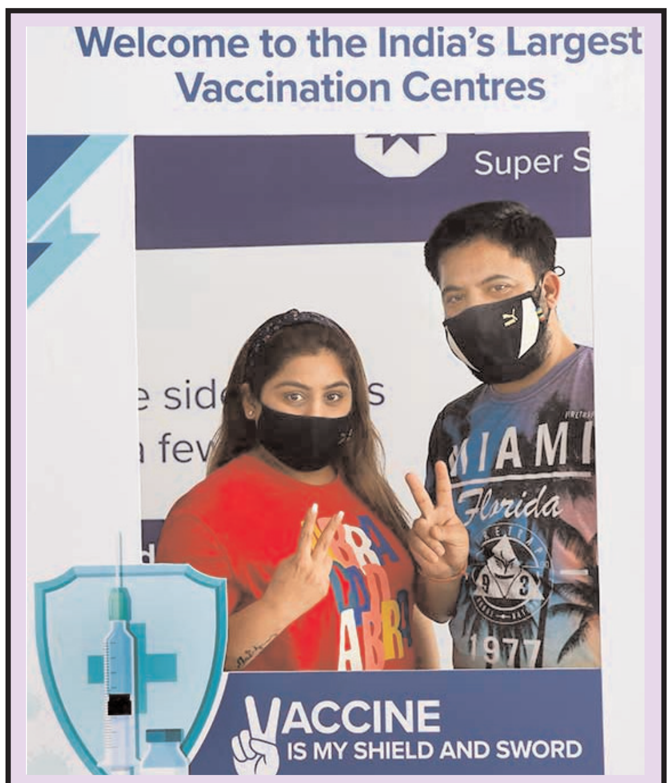

एक युवा युगल नई दिल्ली में भारत के सबसे बड़े कोविड -19 टीकाकरण केंद्र, राधा स्वामी सत्संग में कोविड -19 वैक्सीन की पहली खुराक प्राप्त करने के बाद विजय चिन्ह दिखाते हुए।

अम्मा की मौत की खबर सुनकर भी नर्स नहीं हारी हिम्मत, पीपीई किट पहनकर ड्यूटी पर पहुंची

नई दिल्ली । दिल्ली एम्स में काम करने वाली एक नर्स के ऊपर उस समय गम का पहाड़ टूट पड़ा जब उसे अपनी अम्मा (दादी) की मौत की खबर मिली. नर्स को यह दुखद समाचार रात में करीब 12 बजे मिला. इसके बाद अगर नर्स चाहती तो वह किसी ट्रेल या प्लेन से केरल जा सकती थी, लेकिन उसने अम्मा की अंतिम विदाई में शामिल होने की वजह कई जानों को बचाने का फैसला किया. और रात में ही पीपीई किट पहनकर अस्पताल में ड्यूटी देने पहुंच गई.

राखी नाम की नर्स ने इस दुखत समय में अपने काम को प्राथमिकता दी और लोगों की जान बचाने का फैसला किया. राखी ने मीडिया को बताया कि मैं अपनी कोविड ड्यूटी की वजह से केरल नहीं जा सकती थी. क्योंकि मेरी नाइट शिफ्ट है और मैं अपने मरीजों को सबसे पहली प्राथमिकता देती हूं.

राखी ने कहा कि अगर मैं केरल जाती भी तो अम्मा का चेहरा नहीं देख पाती. मैंने अपना कर्तव्य निभाया, क्योंकि मैं अपनी अम्मा के चेहरे को हर कोविड मरीज में देखती हूं और उनकी सेवा करना मेरा पहला धर्म है. बता दें कि राखी एम्स में नर्सिंग ऑफिसर हैं और वह केरल की रहने वाली हैं.

दिल्ली सरकार ने रेमडेसिविर के वितरण एवं आपूर्ति प्रबंधन के लिए पोर्टल विकसित किया

उन्होंने बताया कि बचपन में करीब एक साल की उम्र में ही उनकी मां की मौत हो गई थी. जिसके बाद उनकी दादी ने उनका पालन-पोषण किया. मैं अपनी अम्मा से तीन साल से नहीं मिली और आज ऐसा समय है जब अम्मा दुनिया से जा रही हैं, ऐसे में मैं उनको आखिरी बार भी नहीं देख सकती हूं. अम्मा इस दुनिया से चली गईं., लेकिन कोई और ना मरे इसलिए मैं आज एम्स में नाइट ड्यूटी करने गई.

कोरोना से हुआ अम्मा का निधन– रविवार को त्रिवेंद्रम मेडिकल कॉलेज में कोविड से पीड़ित राखी की अम्मा का निधन हो गया. राखी ने बताया कि 2014 में उनकी शादी राजीव से हुई थी. पिछले तीन साल से राखी अपनी अम्मा से नहीं मिली थीं.

वह प्रेग्नेंट थी, इसलिए केरल नहीं जा सकीं. जब बेबी हुआ तो कोरोना शुरू हो गया और फिर लॉकडाउन हो गया.

बेबी एक साल का हो चुका है, लेकिन वह अपनी अम्मा से नहीं मिल पाई. इस बार जुलाई में केरल जाने का प्लान था, लेकिन इस बीच उनकी अम्मा भी कोविड का शिकार हो गई.

ऑक्सीजन की कमी पर बोले बत्रा हॉस्पिटल के चीफ-पता नहीं देश कौन चला रहा है?

नई दिल्ली । देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के मरीज लगातार बढ़ते जा रहे हैं. यहां पर कोरोना के रोज हजारों मामले सामने आ रहे हैं. वहीं, सैकड़ों लोगों की रोज मौत हो रही है. हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को अस्पतालों में बेड तक नहीं मिल रहे हैं. यदि बेड मिल भी जा रहे हैं तो सही तरह से इलाज नहीं हो रहा है. ऐसे में लोगों की मौत हो रही है. वहीं, ऑक्सीजन के अभाव में भी लोग मर रहे हैं. इसका सबसे बड़ा उदाहरण बत्रा हॉस्पिटल है. शनिवार को बत्रा अस्पताल में गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी (जठरांत्र विज्ञान) विभाग के प्रमुख सहित 12 कोरोना मरीजों की ऑक्सीजन की कमी के कारण मौत हो गई थी. इससे पहले, बत्रा अस्पताल में आठ मरीजों की मौत की जानकारी दी गई थी. अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉक्टर एससीएल गुप्ता ने कहा था कि ऑक्सीजन की कमी से मरने वाले आठ रोगियों में से छह रोगी आईसीयू में जबकि दो उच्च निर्भरता वार्डों में भर्ती थे. इसके बाद ऑक्सीजन की कमी से चार और रोगियों की मौत की जानकारी दी गई, जिससे मृतक संख्या बढ़कर 12 हो गई.

इसी बीच खबर है कि बत्रा हॉस्पिटल के चीफ ने कहा, ऑक्सीजन के अभाव में मरीज मर रहे हैं. कोरोना का इलाज करने के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं. यहां तक की दवाइयां भी नहीं मिल रही हैं. सरकार कहती है कि हमारे देश में ऑक्सीजन की कमी नहीं है, लेकिन मरीज मर रहे हैं. न्यायपालिका या कार्यपालिका मुझे नहीं पता कि यह देश कौन चला रहा है?

सोमवार को भी पॉजिटिविटी रेट 29.56 फीसदी था– वहीं, कुछ देर पहले खबर सामने आई थी कि दिल्ली में कोरोना के हालात अब पहले की तुलना में कुछ बेहतर हुए हैं, लेकिन मौत के आंकड़े डराने वाले हैं. दिल्ली में बीते 24 घंटे में जो आंकड़े सामने आए हैं, वह कुछ हद संतोषजनक कहा जा सकता है. बीते 24 घंटे में कोरोना के 18,043 नए मामले सामने आए हैं और 448 लोगों की मौत हुई है.

अब दिल्ली में एक्टिव संक्रमित मरीजों की संख्या 89,592 हो गई है. बीते 24 घंटे में 20,293 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है. इस समय दिल्ली में 50,441 लोग होम आइसोलेशन में अपना इलाज करा रहे हैं, जबकि बीते 24 घंटों में दिल्ली में कुल 61,045 सैंपल की कोरोना जांच की गई है, वहीं मृत्यु दर अब 1.44 त्न पहुंच गई है. अगर पॉजिटिविटी रेट की बात करें तो वह रविवार से घटने लगा है. सोमवार को भी पॉजिटिविटी रेट 29.56फीसदी था.

दिल्ली सरकार ने रेमडेसिविर के वितरण एवं आपूर्ति प्रबंधन के लिए पोर्टल विकसित किया

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने वितरकों, थोक व्यापारियों एवं अस्पतालों को जरूरतमंद मरीजों के वास्ते रेमडेसिविर टीके के उपयुक्त वितरण एवं आपूर्ति के लिए एक पोर्टल विकसित किया है. एक आदेश में यह जानकारी दी गई है. सरकार के औषध नियंत्रण विभाग ने रेमडेसिविर बेचने वाले सभी थोक व्यापारियों और वितरकों को इस पोर्टल पर अपना आंकड़ा अद्यतन करने को कहा है. कोविड लक्षण वाले मरीजों के उपचार में रेमडेसिविर का उपयोग किया जा रहा है जोकि एक वायरल-रोधी दवा है. वहीं, कल खबर सामने आई थी कि देश की राजधानी में कोरोना टीकाकरण का तीसरा एवं सबसे बड़ा चरण सोमवार से शुरू हुआ. दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आज सुबह ही वेस्ट विनोद नगर स्थित वैक्सीनेशन सेंटर पर पहुंचे. यहां 18 से 44 साल के आयुवर्ग के लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा रहा है. दिल्ली सरकार ने टीकाकरण के इस अभियान के लिए राजधानी के 77 सरकारी स्कूलों का चयन किया है, जहां आज से वैक्सीनेशन शुरू किया गया.

लोगों को टीका लगाया जा रहा था– दिल्ली सरकार ने जिन 77 स्कूलों में टीका लगाने के इंतजाम किए हैं, उन्हें नजदीकी अस्पतालों से अटैच किया गया है. सरकार के मुताबिक ज्यादा से ज्यादा लोग टीकाकरण के लिए आएं, इसलिए स्कूलों में केंद्र बनाए गए हैं. एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में करीब 90 लाख लोग इस चरण में टीकाकरण के लिए पात्र हैं और तीसरे चरण में टीकाकरण के लिए 77 स्कूलों में पांच-पांच टीकाकरण बूथ बनाए गए हैं. राजधानी के करीब 500 केंद्रों में अभी तक 45 साल से अधिक आयु के लोगों को टीका लगाया जा रहा था.

खान मार्केट पर पड़ी कोरोना की मार, दुकानों का किराया हुआ सस्ता, जानें कितने गिरे दाम

नई दिल्ली । अगर आप भी खान मार्केट में किराए की दुकान लेने का प्लान कर रहे हैं तो यह समय आपके लिए सही है. बता दें इन दिनों इस मार्केक में किराए में काफी गिरावट देखने को मिली है तो ऐसे में आपको इस जानेमाने मार्केट में सस्ते किराए में दुकान मिल जाएगी. बता दें कोविड-19 महामारी के कारण दिल्ली के मशहूर और महंगे खुदरा बाजार खान मार्केट में मासिक किराया जनवरी-मार्च के दौरान पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 8 से 17 प्रतिशत कम हो गया है. संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली एनरॉक ने इस बारे में जानकारी दी है.

कंपनी के बयान के अनुसार इसी अवधि में मुंबई में बांद्रा लिंकिंग रोड, काला घोड़ा और फोर्ट में जैसे बाजारों में भी किराया 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत कम हुआ है. एनरॉक रिटेल के मुख्य परिचालन अधिकारी और संयुक्त प्रबंध निदेशक पंकज रंजन ने कहा कि महामारी के कारण वर्ष 2020 की शुरूआत से खुदरा क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है.

लॉकडाउन का दिखा है असर

यहां पर लॉकडाउन के बीच और उसके बाद के कुछ महीनों तक कोई बिक्री नहीं हुई. हम यह देख रहे हैं कि खुदरा दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर रहे हैं या भविष्य की खर्च योजनाओं को कम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि इसके कारण प्रमुख शहरों में खुदरा बाजारों में औसत मासिक किराया घटा है. हालांकि, कुछ ऐसे बाजार भी हैं, जहां किराये में वृद्धि की प्रवृत्ति है. उदाहरण के लिये हैदराबाद के गाचीबावली, बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स जैसे जगहों पर औसत किराया 2021 की पहली तिमाही में 2020 की पहली तिमाही की तुलना में बढ़ा है.

टॉप-20 बाजारों की लिस्ट से हुआ बाहर– रिपोर्ट में कहा गया कि भारत का खान मार्केट 2020 में 14 प्रतिशत की गिरावट के साथ किराए के लिहाज से शीर्ष 20 सबसे महंगे बाजारों की सूची से बाहर हो गया था. इस सूची में खान मार्केट को 21वां स्थान मिला. इस दौरान कोलकाता और बेंगलूरू में किरायों में कमी क्रमशः 18 और 14 प्रतिशत रही. चेन्नई और अहमदाबाद में गिरावट दो प्रतिशत से कम रही.

इलाज के अभाव में दूरदर्शन की पूर्व महानिदेशक अर्चना दत्ता के पति और मां की मौत

नई दिल्ली । देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के मरीज लगातार बढ़ते जा रहे हैं. यहां पर कोरोना के रोज हजारों मामले सामने आ रहे हैं. वहीं, सैंकड़ों लोगों की रोज मौत हो रही है. हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को अस्पताों में बेड तक नहीं मिल रहे है. यदि बेड मिल भी जा रहे हैं तो सही तरह से इलाज नहीं हो रहा है. ऐसे में लोगों की मौत हो रही है. वहीं, ऑक्सीजन के अभाव में भी लोग मर रहे हैं. इसी बीच खबर है कि दूरदर्शन की पूर्व महानिदेशक अर्चना दत्ता के पति और मां की कोरोना वायरस की वजह से मौत हो गई है. उन्होंने आरोप लगाया है कि समय पर उचित इलाज नहीं मिलने से उनके पति और मां की एक घंटे के अंतराल पर मौत हो गई है. उन्होंने कहा कि ऑक्सिजन का स्तर गिरने के बाद दोनों को बड़े प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराने के पूरी कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली.

उन्होंने ट्वीटर पर कहा है कि मालवीय नगर के एक सरकारी अस्पताल में 27 अप्रैल को दोनों का निधन हो गया. बाद में उन्हें कोरोना वायरस से संक्रमित घोषित किया गया.

दत्ता ने कहा कि मेरे जैसे कुछ लोग सोचते हैं कि ऐसा उनके साथ नहीं हो सकता, लेकिन ऐसा हुआ. मेरे पति और मां, दोनों की बिना उपचार के मौत हो गई. उन्होंने कहा कि ऐसे वे दिल्ली के बड़े अस्पतालों में इलाज कराते थे. पर इस बार वहां पर भी हम उपचार नहीं करवा पाएं. बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के कार्यकाल के दौरान अर्चना दत्ता राष्ट्रपति भवन की प्रवक्ता भी रही थीं.

संपादकीय

आज फिर उदास है कबीर चौरा

बनारस संगीत घराने की नर्सरी कबीर चौरा का एक बिरवा, जो संगीत का वटवृक्ष बन गया था, कोविड की भेंट चढ़ गया। कबीर चौरा की इस उदासी का सबब बेवजह कतई नहीं। राजन मिश्र ने यहीं संगीत का ककहरा सीखा। बनारस की जीवंत संगीत परंपरा के स्तम्भ राजन मिश्र के निधन से एक ऐसा शून्य उपजा है, जिसकी भरपाई कठिन तो है ही, नई पीढ़ी के लिए चुनौती भी है। काशी या बनारस अपने जीवंत शहर होने का प्रमाण कालांतर में विभिन्न रूपों में पूरी दुनिया में प्रस्तुत करता रहा है। काशी की पहचान 'सांस्कृतिक राजधानी' के रूप में है। तो वह राजन मिश्र सरीखे नामचीन, समर्पित साधकों की वजह से रही है। इन पांच हजार साल के कालखण्ड और लम्बी परंपरा को अपने-अपने योगदान से ऐसी अनेक विभूतियों ने सींचा है, जिनका समर्पण प्रेरक है। राजन मिश्र संगीत की सुदृढ़ परंपरा से उपजे थे। अपने समय कंठ संगीत में जिनकी तूती बोलती थी, ऐसे संगीत पुरुष बड़े रामदास से 'गंडा बंधवाने' (शिष्यत्व ग्रहण करने) की परंपरा के बाद पिता हनुमान प्रसाद और चाचा गोपाल मिश्र के कड़े अनुशासन में एक ओर, संगीत की पारंपरिक शिक्षा, दूसरी ओर, अपने कत्थक समुदाय के सम्भवतः पहले पोस्ट ग्रेजुएट और मेरे सहपाठी राजन का प्रारंभिक जीवन कठिन और साधनों की कमी का जीवन था। दो परिवारों में ट्यूशन के लिए गर्मी, जाड़ा, बरसात में 12-15 किलोमीटर की साइकिल यात्रा के बाद आधी रात और कभी-कभी भोर तक लंबे रियाज की कड़ी तपस्या और साधना की उपज राजन और उनके छोटे भाई साजन की जोड़ी ऐसी बनी कि दुनिया के लिए उदाहरण बन गई। राजन-साजन मेरे पड़ोसी थे, पर पांच दशकों में कभी भी भाई-भाई में कोई मतभेद या विवाद सुना भी नहीं गया। भरे मन से 1977 में काशी को अस्थाई रूप से अलविदा कहकर दोनों भाई दिल्ली गए जरूर, लेकिन दिल में बनारस रचा-बसा रहा। होली, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर काशी जरूर रहते थे। होली के हुड़दंग में भी ठेठ राजन-साजन बच्चे बन जाते। यही सहजता, शालीनता राजन की पहचान थी। पद्मविभूषण, यश भारती, संगीत नाटक अकादमी सम्मान पाकर भी राजन मुहल्ले के लिए 'का हो राजन चचा' ही बने रहे। अपने भव्य वस्त्रों - कुर्ता-धोती के लिए अपने दर्जी भरत जी के यहां दुनिया भूलकर घंटों सुख-दुख करते राजन, अपने नाई, दूधवाले सभी के सुख-दुख में शामिल राजन को देख यही भाव आता था कि इतना बड़ा आदमी इतना सहज कैसे है?

सब मानते हैं कि कबीर चौरा गली आधा दर्जन पद्म सम्मान से सम्मानित लोगों की ऐतिहासिक गली है। यहां से शुरू राजन की संगीत यात्रा में अमेरिका, जर्मनी, रूस, सिंगापुर, मस्कट, बांग्लादेश, ऑस्ट्रिया आदि पड़ाव रहे। वैसे 1978 में विदेश में श्रीलंका में पहला कार्यक्रम उनकी यादों में रचा-बसा था। दिग्गज शास्त्रीय गायक की खूबी उनके मन-मिजाज की सरलता थी। मंच पर बैठे राजन के गायन में एक सम्मोहन था। बनारस घराने की खास बंदिशें और टप्पा प्रस्तुत करते हुए आंखें बंद कर जब सुर साधते, तो उनके बोल-बनाव में आध्यात्मिकता के सुरों की बानगी मिलती थी। रंजकता, भावुकता से शुरू उनका गायन श्रोताओं को रसिकावस्था तक पहुंचाने में सफल रहता था। अपनी गोद में रखे सुर बहार और शब्दों की लय को एकाकार करने में निपुण राजन संगीत की बारीकियां भी श्रोताओं को समझाते थे। उनका प्रिय भजन, चले मन वृंदावन की ओर प्रायः हर कार्यक्रम में श्रोताओं को भावविभोर करता था। ठुमरी, दादरा के साथ अपनी प्रिय प्रस्तुति, 'धन्यभाग सेवा का अवसर पाया' जरूर सुनाते और इस दौरान दोनों भाइयों की आंखों में आंसू की बूंदें चमकती थीं। अपनी बोल-बंदिशें वे गुरु को समर्पित कर देते थे।

काशी में संगीत ग्राम की उनकी योजना अधूरी भले ही हो, पर देहरादून में उनकी संगीतशाला, 'विराम' और काशी में पैतृक आवास राजन मिश्र के स्मारक संगीत तीर्थ हैं। वह अपने छात्रों को हेल्दी फ्यूजन संगीत की मनाही नहीं करते थे, पर शास्त्रीयता को संगीत की मूल पूंजी मानते थे। एक फिल्म 'सुर संगम' में स्वर दिया, पर फिल्मी दुनिया रास नहीं आई। राजन-साजन मिश्र पर बनी 'अद्वैत' डाक्यूमेण्ट्री का नाम सार्थक है। श्री श्री रविशंकर के मंत्र संगीत - ब्रह्मनाद तथा बाद में कंठ संगीत - अन्तर्नाद में राजन-साजन की प्रस्तुति विश्वस्तर पर चर्चित हुई। राजन-साजन मिश्र बंधुओं की सदाबहार जोड़ी वैसे तो बिखर गई, लेकिन इस जोड़ी को सितारवादक पंडित रविशंकर ने 40 साल पहले बखूबी पहचाना था। काशी के संकटमोचन मंदिर में हर साल आयोजित होने वाले मुक्ताकाशीय संगीत सम्मेलन में रात भर के आयोजन की अंतिम प्रस्तुति में राजन-साजन सुबह तक गाते थे। संकटमोचन के महंत पंडित विश्वंभरनाथ मिश्र प्रायः याद करते हैं कि 1979 में पंडित रविशंकर अल सुबह मंदिर पहुंचे, उनका जन्मदिन था। राजन-साजन का गायन चल रहा था, हनुमान जी की परिक्रमा के बाद पंडित रविशंकर अचानक ठिठक गए, बड़े महंत वीरभद्र जी के साथ बैठ गए और राजन-साजन को सुनकर ही उठे। भावविभोर पंडित रविशंकर ने वहीं राजन-साजन को एक बड़े कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इस घटना को राजन-साजन मिश्र हनुमान जी की कृपा से प्राप्त सांगीतिक पुनर्जीवन मानते रहे। कुछ समय पहले इस्कान के चीफ ट्रस्टी प्रभु सूरदास की संगीतज्ञ पंडित जसराज से (उनके अमेरिका जाने से पूर्व) मुंबई में भेंट हुई थी। पंडित जसराज ने बनारस के बारे में बहुत जिज्ञासाओं के बाद भावपूर्ण शब्दों में पूछा था, 'और राजन-साजन?' पंडित जसराज कहने लगे थे, 'अभी राजन-साजन को बहुत कुछ मिलेगा।'दिल्ली के रमेश नगर में अपने अलग अध्ययन कक्ष पर उन्हें गर्व था। वहां आधुनिक ओशो साहित्य के साथ-साथ भरत मुनि के नाट्यशास्त्र की पुस्तकों का विशाल संग्रह था, जिसके बीच वह घंटों रियाज करते थे। बनारस की ख्याल गायकी के पुरोधा महाराष्ट्री राजन मिश्र की मान्यता थी कि संगीत में ईश्वर ही सब कुछ है। ईश्वर ही गा रहा है, हमारे अंदर से, हम तो उस अंबर के ओंकारनाद की गूंज के माध्यम हैं। 'स्वर' नहीं, बल्कि 'ईश्वर' ही सुर का मूल है। वह केवल बनारस घराने की ही नहीं, देखते-देखते बनारस की भी पहचान बन गए थे। बनारस घराने की कबीर चौरा बगिया को उदासी राजन के जाने से एक बार फिर लौट आई है।

प्रवीण कुमार सिंह

कोरोना और कट्टरपंथी टीएलपी ने इमरान सरकार को ला दिया घुटनों के बल

> यह पाकिस्तानी सेना के 'नजरिया-ए-पाकिस्तान' वाली सोच के कारण हुआ है। यह सोच खुद उसके साथ-साथ देश के लिए भी विध्वंसकारी है। इसमें वह इस्लाम को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में देखती है और इस कवायद में उसने देश की सामाजिक शांति और आर्थिक समृद्धि भी होम कर दी। पाकिस्तानी राजनीतिक वर्ग भी सेना के साथ कदमताल करता रहता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि तमाम मुस्लिम देश अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर फ्रांसीसी रुख से नाखुश हैं, लेकिन किसी भी देश ने पाकिस्तान जैसी प्रतिक्रिया नहीं दी। यह यही दर्शाता है कि वहां कट्टरपंथी किस कदर मजबूत हो रहे हैं।

पाकिस्तान इन दिनों कोरोना के साथ कट्टरपंथ से भी जूझ रहा है। पाकिस्तान पर कट्टरपंथी छाया के स्पष्ट प्रमाण एक बार फिर तब देखने को मिले, जब बीते दिनों तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान यानी टीएलपी ने इमरान सरकार को घुटनों के बल पर ला दिया। टीएलपी बरेलवी मत का कट्टरपंथी धड़ा है। उसके खिलाफ कड़े कदम उठाने के बाद सरकार को उससे बातचीत के लिए मजबूर होना पड़ा। इन कदमों में टीएलपी के मुखिया साद रिजवी की गिरफ्तारी से लेकर संगठन पर प्रतिबंध लगाना तक शामिल था। सरकार भले ही फ्रांसीसी राजदूत को बाहर करने वाली टीएलपी की मुख्य मांग से अभी तक किनारा किए हुए हो, लेकिन उसे शर्मनाक ढंग से अपने कदम तो पीछे खींचने ही पड़े। इस पूरे मामले की पृष्ठभूमि समझना बहुत आवश्यक है। इससे पता चलेगा कि पाकिस्तान में सामाजिक एवं राजनीतिक कट्टरपंथी ताकतें किस कदर हावी हैं?

यह मसला पिछले वर्ष अक्टूबर से शुरू हुआ। फ्रांस के एक स्कूल में एक शिक्षक छात्रों के साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने पैगंबर मुहम्मद साहब के वे कार्टून भी दिखाए जो 2012 में एक फ्रांसीसी पत्रिका में छप चुके थे। दुनिया भर में तमाम मुस्लिमों को वे कार्टून आपत्तिजनक लगे। पत्रिका ने गत वर्ष सितंबर में उनका दोबारा प्रकाशन किया। उसके बाद पाकिस्तान सहित कई मुस्लिम देशों में पुनः विरोध-प्रदर्शन हुए। टीएलपी कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान के कई शहरों में प्रदर्शन किए। इमरान सरकार ने भी इन कार्टूनों के पुनः प्रकाशन की आलोचना की। उस फ्रांसीसी शिक्षक द्वारा कार्टूनों की चर्चा की बात सार्वजनिक हो गई। इससे कुपित होकर एक मुस्लिम युवक ने शिक्षक की वीभत्स तरीके से हत्या कर दी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शिक्षक की मृत्यु पर शोक प्रकट करते हुए यह दोहराया कि फ्रांस में अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार अक्षुण्ण रहेगा। इससे पहले एक अन्य भाषण में उन्होंने चरमपंथी इस्लाम की आलोचना करते हुए यहां तक कहा कि यह केवल फ्रांस ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के लिए चिंता का विषय है। तब कई मुस्लिम नेताओं ने मैक्रों की निंदा की थी। उनमें तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन और पाकिस्तानी पीएम इमरान भी शामिल थे।

पाकिस्तान में टीएलपी ने फ्रांसीसी वस्तुओं के बहिष्कार के साथ ही उसके राजदूत को देश से बाहर निकालने की मांग की। गत नवंबर में सरकार ने टीएलपी को आश्वस्त किया कि वह फ्रांसीसी राजदूत के खिलाफ कदम उठाएगी और अगले तीन महीनों के दौरान इससे जुड़ा प्रस्ताव नेशनल असेंबली में लाएगी। यह अवधि गुजरने के बाद सरकार ने इसकी मियाद दो महीने और बढ़ाकर 20 अप्रैल तय कर दी। स्पष्ट है सरकार इस मामले में कोई विकल्प तलाशने में जुटी रही। वह नहीं चाहती थी कि फ्रांस के खिलाफ कोई कूटनीतिक कदम उठाया जाए।

उधर टीएलपी के सब्र का बांध टूटने के कगार पर था। कुछ दिन पहले उसके मुखिया साद रिजवी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि अगर सरकार अपने वादे से मुकरती है तो फिर उसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे। इसके जवाब में सरकार ने 12 अप्रैल को रिजवी को गिरफ्तार कर लिया। इससे नाराज टीएलपी के लोगों ने पाकिस्तान के कई प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली सड़कें जाम कर दीं। वे पुलिस से उलझ गए। अपनी ताकत दिखाने के लिए सरकार ने 15 अप्रैल को टीएलपी पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे टीएलपी समर्थकों की पुलिस से झड़पें बढ़ गईं। उन्होंने कई पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया। कुछ की मौत भी हो गई।

इससे इमरान सरकार को टीएलपी से वार्ता के लिए मजबूर होना पड़ा। इमरान को यहां तक कहना पड़ा कि टीएलपी और उनके उद्देश्य एक समान हैं। उन्होंने टीएलपी के इस रुख से सहमति जताई कि पैगंबर मुहम्मद या कुरान के प्रति कोई भी असम्मान ईशनिंदा है, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। हालांकि उन्होंने फ्रांसीसी राष्ट्रपति की टिप्पणियों के विरोध के उसके तौर-तरीकों से सहमति नहीं जताई। उन्होंने कहा कि इस मामले में मुस्लिम देशों को एकजुट होकर फ्रांस समेत अन्य पश्चिमी देशों पर दबाव बनाना होगा कि दूसरों की धीमिक भावनाएं आहत नहीं की जा सकतीं। इमरान ने यह भी कहा कि टीएलपी के रुख से पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। इसी बीच सत्तारूढ़ दल का एक सदस्य फ्रांसीसी राजदूत को लेकर नेशनल असेंबली में एक प्रस्ताव ले आया। फिर प्रस्ताव एक समिति को भेजा गया। टीएलपी ने अपना विरोध-प्रदर्शन बंद कर दिया है। इससे सरकार को कुछ समय मिल गया है, लेकिन यह एक ठहराव भर है। कहना मुश्किल है कि टीएलपी कैसे किसी समझौते पर सहमत हो सकती है?

यह पहला मौका नहीं जब टीएलपी ने सरकार को सफलतापूर्वक चुनौती दी हो। 2017 में भी उसने इस्लामाबाद को बंधक सा बना लिया था। तब उसकी आपत्ति नेशनल असेंबली चुनाव में मुस्लिम प्रत्याशियों के लिए शपथ की भाषा में बदलाव को लेकर थी। उसने दावा किया कि इससे पैगंबर मुहम्मद की सर्वोच्चता पर संदेह उत्पन्न होता है। सेना के हस्तक्षेप से मामला रफा-दफा हुआ, मगर कानून मंत्री की बलि चढ़ गई। ईसाई महिला आसिया बीबी को ईशनिंदा के आरोपों से बरी करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी टीएलपी ने विरोध किया। उसने पंजाब के पूर्व गवर्नर सलमान तासीर के हत्यारे मुमताज कादरी के समर्थन में भी मुहिम चलाई थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कादरी को हत्यारा ठहराने के बाद भले ही उसे फांसी दे दी गई हो, लेकिन आज तमाम पाकिस्तानी उसे शहीद मानते हैं और उसकी मजार पर जाते हैं।

कट्टरपंथी टीएलपी का उभार दर्शाता है कि पाकिस्तान में उदार माने जाने वाले मुस्लिमों में भी किस कदर उग्रता हावी हुई है। यह पाकिस्तानी सेना के 'नजरिया-ए-पाकिस्तान' वाली सोच के कारण हुआ है। यह सोच खुद उसके साथ-साथ देश के लिए भी विध्वंसकारी है। इसमें वह इस्लाम को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में देखती है और इस कवायद में उसने देश की सामाजिक शांति और आर्थिक समृद्धि भी होम कर दी। पाकिस्तानी राजनीतिक वर्ग भी सेना के साथ कदमताल करता रहता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि तमाम मुस्लिम देश अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर फ्रांसीसी रुख से नाखुश हैं, लेकिन किसी भी देश ने पाकिस्तान जैसी प्रतिक्रिया नहीं दी। यह यही दर्शाता है कि वहां कट्टरपंथी किस कदर मजबूत हो रहे हैं।

टीकाकरण के सरकारी प्रयासों को नागरिकों की सजग और सकारात्मक सोच का साथ मिलना चाहिए

कोरोना की दूसरी लहर में तेजी से बढ़ रहे संक्रमण के बीच टीकाकरण से जुड़े हर तरह के भ्रम और डर से बाहर आना भी जरूरी है। आमजन की भागीदारी और सकारात्मक लोक व्यवहार महामारी से मुकाबले के कठिन काम को आसान कर सकता है। बीते दिनों लीड्स बैकेट यूनिर्विसटी के एक शोधपत्र में बताया गया कि परिजन और मित्र लोगों को टीका लेने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिका, इटली और दक्षिण कोरिया में सैकड़ों लोगों की राय के बाद यह परिणाम सामने आया है। इन देशों में पाया गया कि कोविड रोधी वैक्सीन लगवाने के लिए 63 फीसद लोगों ने कहा कि वैक्सीन लगवा चुके लोगों पर हुए प्रभाव की खबरों को सुनकर उन्होंने टीका लगवाने का मन बनाया। 59 प्रतिशत लोगों ने वैक्सीन लगवाने के बारे में परिजनों और मित्रों की सलाह मानी। एक अन्य सर्वे के मुताबिक भी लोगों को वैक्सीन लगाने के लिए मित्रों और परिजनों ने प्रेरित किया, खासकर परिवार के लोग और दोस्त बेहद प्रभावशाली रहे। अधिकारियों की अपील के मुकाबले लोगों की जरूरत और इच्छा ने टीकाकरण पर ज्यादा असर दिखाया है। उक्त सर्वे में 52 फीसद लोगों ने यात्रा करने की इच्छा के चलते वैक्सीन लगवाई तो 56 प्रतिशत लोगों के मुताबिक परिवार के सदस्य या मित्र के लगवाने के बाद वे भी वैक्सीन लेने को तैयार हो गए।

किसी भी हालात से जुड़ा संशय हो या भ्रामक जानकारियों की उलझनें, इनसे बाहर आने के लिए आमजन के अनुभव और विचार बहुत मायने रखते हैं। प्रशासन को भी जिस भ्रम को दूर करने में मुश्किलें आती हैं, जनता का अनुभव उसे आसानी

से दूर कर देता है, लेकिन अपने देश में अभी भी कुछ लोग हैं जो इस या उस कारण टीका लगवाने से हिचक रहे हैं। यह हिचक शहरी इलाकों के पढ़े-लिखे लोगों में भी है। यह ठीक नहीं। कुछ लोग तो टीके न लगवाने के लिए तरह-तरह के बहाने गढ़ रहे हैं। जब वे अपने जैसे बहाने बना रहे लोगों से मिलते हैं तो उनके नकारात्मक विचार सुनकर यह मान बैठते हैं कि वे सही हैं। ऐसे लोगों को टीका की महत्ता से परिचित होने और यह समझने की जरूरत है कि टीका न लगवाने वाले पूरी तरह असुरक्षित हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि तमाम बीमारियों से निजात तभी मिली है, जब टीके का सहारा लिया गया।

देश में टीकाकरण अभियान 16 जनवरी से शुरू हुआ था। दूसरे चरण में 60 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों और 45 वर्ष से ऊपर के बीमार व्यक्तियों के टीकाकरण का अभियान शुरू हुआ। इसके बाद 45 साल के ऊपर के सभी लोगों को टीका लगाया जाना प्रारंभ हुआ। निस्संदेह दूसरे चरण में प्रधानमंत्री की ओर से खुद टीके लगवाने का असर पड़ा, लेकिन टीकाकरण की रफ्तार और तेज होनी चाहिए। प्रतिदिन 50 लाख से अधिक टीके लगाने का लक्ष्य हासिल करना आवश्यक है।

इन दिनों फिर विकराल हुई कोविड महामारी पर काबू पाने के लिए एक मई से 18 साल से ऊपर की उम्र वाले सभी लोगों को टीके लगाने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जितनी सक्रियता स्वास्थ्य तंत्र को दिखानी होगी, उतनी ही आम लोगों को भी। टीके को लेकर भारत की तरह दुनिया भर में संशय भरा व्यवहार देखने को मिला है, जबकि बार-बार दस्तक दे रही इस महामारी से जूझने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों का टीकाकरण जरूरी है।

सरकारी प्रयासों को नागरिकों की सजग और सकारात्मक सोच का साथ मिलना चाहिए

भारत में सबसे तेज गति से टीकाकरण अवश्य हो रहा है, लेकिन अभी आबादी के एक छोटे हिस्से को ही टीका लग सका है। इसका कारण देश की आबादी अधिक होना है। यह समझने की जरूरत है कि सरकारी प्रयासों को नागरिकों की सजग और सकारात्मक सोच का साथ मिले, तभी महामारी से आसानी से पार पाया जा सकता है। इसी तरह की सजगता और सकारात्मक सोच का परिचय कोरोना संक्रमण से बचे रहने के उपायों पर अमल के मामले में भी दिखानी होगा।

मास्क के सही उपयोग और शारीरिक दूरी का पालन करना अनिवार्य है- मास्क के सही उपयोग और शारीरिक दूरी का पालन करना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। इस तरह की खबरों से परिचित होना दयनीय है कि कहीं-कहीं शिक्षित लोग भी मास्क न लगाने की जिद पकड़ लेते हैं। कुछ तो पुलिस से झगड़ा करने पर आमादा हो जाते हैं।

निजी अस्पतालों की सुनी जाए

सरकार के टीकाकरण अभियान का तीसरा चरण 1 मई से शुरू हो रहा है, जिसके लिए बुधवार से रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया। इस चरण में 18 से 44 साल के लोगों को भी वैक्सीन लगाई जाएगी। इससे पहले 45 साल और उससे अधिक आयु वालों को टीका लगाया जा रहा था। इसके साथ मई से वैक्सीन पॉलिसी में कुछ और बदलाव हुए हैं। इनमें से एक यह है कि राज्यों और निजी अस्पतालों को खुद कंपनियों से वैक्सीन खरीदने को कहा गया है। अभी तक केंद्र इन कंपनियों से वैक्सीन खरीदकर राज्यों को देता रहा है और उनसे यह निजी अस्पतालों को मिलती है।

अब इन अस्पतालों ने केंद्र से अपील की है कि कम से कम तीन महीने के लिए कंपनियों से खरीदकर वही उन्हें वैक्सीन दे। इसकी दो वजहें हैं। एक तो घरेलू कंपनियां कह रही हैं कि उन्हें वैक्सीन के लिए कुछ समय तक इंतजार करना पड़ेगा। वे पहले वादे के मुताबिक इसकी सप्लाई केंद्र और राज्य सरकारों को करेंगी। इसके बाद निजी अस्पतालों का नंबर आएगा। निजी अस्पतालों ने फाइजर, मॉडर्ना और जॉनसन एंड जॉनसन जैसी बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों से भी वैक्सीन खरीदने के लिए बात की है, लेकिन उनकी दिलचस्पी सीधे सरकार को इसकी बिक्री करने में है। यानी वहां से भी उन्हें तुरंत वैक्सीन नहीं मिलेगी।

दूसरी दिक्कत सप्लाई चेन यानी घरेलू वैक्सीन कंपनियों से निजी अस्पतालों तक इन्हें पहुंचाने को लेकर है। कंपनियों ने कहा है कि वे वैक्सीन अपनी कोल्ड चेन तक पहुंचा देंगी और वहां से अस्पतालों को इसे लेकर जाना होगा। अस्पतालों के पास अभी कोल्ड चेन और ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था नहीं है। इसे तैयार करने में उन्हें कुछ महीने लग जाएंगे। इसलिए उन्होंने केंद्र से मौजूदा व्यवस्था को जारी रखने की अपील की है। निजी अस्पताल इस सिलसिले में राज्य सरकारों से भी बात करने वाले हैं। एक मसला यह भी है कि केंद्र ने उनसे बची हुई वैक्सीन वापस करने को कहा है। इसका मतलब यह है कि 1 मई से टीकाकरण अभियान का बड़ा दौर शुरू होने पर निजी अस्पताल उसमें सहयोग नहीं कर पाएंगे, जबकि कोरोना की दूसरी लहर को देखते हुए तेजी से वैक्सिनेशन की जरूरत है।

इसलिए केंद्र सरकार को उनकी इस मांग पर गौर करना चाहिए। अगर अभी की व्यवस्था के हिसाब से वैक्सीन की सप्लाई जारी रखी गई तो उससे छोटे अस्पताल भी इस अभियान में सहयोग दे पाएंगे क्योंकि उनके लिए सीधे कंपनियों से टीका खरीदना संभव नहीं होगा। न ही वे नई पॉलिसी के मुताबिक कोल्ड चेन और लॉजिस्टिक्स पर पैसा खर्च करने की स्थिति में हैं। सरकार को इस बारे में भी सोचना चाहिए क्योंकि इनकी मदद से दूरदराज के इलाकों में भी टीकाकरण अभियान में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

उम्मीद है कि नई वैक्सीन पॉलिसी को कामयाब बनाने के लिए इन मुश्किलों को दूर करने की पहल की जाएगी।

मंगल पर उम्मीदों की नई उड़ान, सुदूर ग्रह पर जीवन सूत्रों की संभावनाओं को लेकर निरंतर पड़ताल

> इन हालिया मंगल अभियानों से इस चर्चा को भी बल मिला है कि दुनिया में कोरोना वायरस के उत्पात के मद्देनजर विज्ञानी इस प्रयास में हैं कि किसी तरह पृथ्वी से बाहर इंसानी बस्तियां बसाने का कोई जुगाड़ हो सके, ताकि भविष्य में धरती पर मानव प्रजाति के भविष्य को लेकर कोई संकट या महाविनाश जैसी स्थितियां पैदा होती हैं तो कुछ इंसानों को मंगल के सुरक्षित माहौल में भेज दिया जाए और पृथ्वी पर हालात सुधरने के बाद वे यहां वापस आकर जीवन का सिलसिला नए सिरे से शुरू कर सकें। मंगल पर जीवन की संभावनाओं की खोज के जरिये वैज्ञानिक यह साबित करना चाहते हैं कि मंगल अब तक के अनुमानों के विपरीत एक सूखा और बंजर ग्रह नहीं है। इसका एक मजबूत आधार मंगल की सतह पर मौजूद पानी है, जिसके बहने के संकेत मिलते रहे हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के मार्स रोवर पिंसवरेंस की मंगल तक की उड़ान और इस ग्रह पर उतरने की उसकी उपलब्धि चंद्रमा पर इंसानी कदमों की छाप से कम महत्वपूर्ण नहीं है। इस साल 18 फरवरी को जब यह रोवर मंगल ग्रह पर उतरा था, तो नासा ने कहा था कि इस बार उसका यह अभियान कई नई जमीनें तोड़ने वाला साबित होगा। इसकी वजह है पहली बार पृथ्वी से बाहर दूसरी दुनिया में एक उड़ान को संचालित करवाना। यह एक मुश्किल काम था, क्योंकि पृथ्वी से औसतन करीब 23 करोड़ किमी दूर मंगल पर निर्देश भेजकर किसी विमान या हेलीकॉप्टर की उड़ान को संचालित करना कोई हंसी-खेल नहीं है। सूर्य की परिक्रमा करते वक्त मंगल और पृथ्वी के बीच की दूरी कभी साढ़े नौ करोड़ किमी हो जाती है तो कभी यह घटकर साढ़े पांच करोड़ किमी रह जाती है।

मंगल ग्रह पर किसी विमान का हवा में उड़ना मुश्किल इसलिए है, क्योंकि वहां का वायुमंडल काफी विरल है। पृथ्वी के वायुमंडल के केवल एक फीसद वायुमंडल में टेकऑफ या उठान पाने के लिए मशीनों को बहुत ज्यादा जोर लगाना पड़ता है। नासा ने इसका तरीका ऐसे निकाला कि उसने इंजेन्युइटी या इनजेनिटी नामक इस हेलीकॉप्टर (रोटरक्राफ्ट) को बहुत छोटा और हल्का बनाया, लेकिन उसके ब्लेडों (पंखों) को ढाई हजार चक्कर प्रति मिनट की दर से घूमने की शक्ति दी। पंखों को ताकत देने वाले दो रोटर्स वाले इस 1.8 किलोग्राम वजनी हेलीकॉप्टर ने सोमवार को नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में बैठे विज्ञानियों इंजीनियरों के भेजे निर्देशों के मुताबिक 40 सेकेंड की अपनी उड़ान पूरी कर ली। तय किए गए कार्यक्रम के मुताबिक इस हेलीकॉप्टर को हवा में 10 फीट की ऊंचाई तक जाना था और आधा मिनट से कुछ अधिक समय तक हवा में स्थिर रहने के बाद अपने चारों पैरों की सहायता से मंगल की सतह पर वापस लैंड करना था। जेपीएल के इंजीनियरों के अनुसार मंगल से आई तस्वीरों और डाटा से साबित होता है कि हेलीकॉप्टर ने ठीक उसी तरह उड़ान भरी जैसा तय किया गया था।

नासा को उम्मीद है कि इस सफलता से सुदूर अंतरिक्ष की दुनिया की ओर ज्यादा मालूमात हासिल करने के तौर-तरीकों में भारी तब्दीली आ सकती है। साथ ही, मंगल ग्रह के अलावा सौरमंडल के दूसरे ग्रहों-उपग्रहों की करीबी पड़ताल में पहले से ज्यादा सटीकता आ सकती है। अब मुमकिन है कि शुक्र ग्रह और शनि के चंद्रमा टाइटन की खोजबीन के काम में ऐसे ही हेलीकॉप्टरों या ड्रोन्स का इस्तेमाल किया जाए। यदि मंगल तक इंसान की यात्रा संभव हुई तो हो सकता है कि वहां पहुंचकर अंतरिक्षयात्री हेलीकॉप्टरों की मदद से उसकी सतह का जायजा लें। उल्लेखनीय है कि नासा ने पहले से ही शनि ग्रह से सबसे बड़े चंद्रमा (उपग्रह) टाइटन के लिए एक हेलीकॉप्टर मिशन को मंजूरी दे रखी है। योजना है कि 'ड्रैगनफ्लाइ' नामक इस मिशन को आगामी दशक के मध्य में टाइटन पर उतार दिया जाएगा और तब वहां इसकी उड़ान संचालित की जाएगी। सवाल है कि आखिर पृथ्वी के अलावा दूसरी दुनिया की जमीनों पर हेलीकॉप्टरों की उड़ान की जरूरत क्यों पड़ गई है, जबकि यह काम बेहद जटिल या मुश्किल है। इसकी एक बड़ी वजह है मंगल पर अब तक भेजे गए रोबोटयानों (रोवर्स) का प्रदर्शन। वैसे तो मंगल पर रोबोटिक अभियान या रोवर भेजने का सिलसिला इसलिए शुरू हुआ था, क्योंकि उनके बारे में यह राय बनी थी कि वे अंतरिक्ष यानों के मुकाबले पराए ग्रह पर ज्यादा खोजबीन कर सकते हैं। वे सतह के नजदीक जाकर वहां की सटीक तस्वीरें ले सकते हैं। जरूरत पड़ने पर उस ग्रह की सतह पर इसमें लगे उपकरणों से ड्रिल करके भूगर्भीय अध्ययन के लिए मिट्टी आदि उठाकर उसकी जांच कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त उनमें लगे स्पेक्ट्रोमीटर्स और माइक्रोस्कोपिक इमेजर्स ऐसी तस्वीरें ले सकते हैं जो किसी अंतरिक्षयान से लेना संभव नहीं होता।

वर्ष 1997 में नासा ने जब मंगल पर अपना यान मार्स पाथफाइंडर भेजा तो इसके जरिये वहां की सतह पर सबसे पहला रोवर सोजर्नर उतारा। सोजर्नर ने उस वक्त के हिसाब से अच्छा काम किया जिससे उत्साहित होकर नासा ने वर्ष 2003 में स्पिरिट और अपॉर्च्युनिटी और वर्ष 2012 में एक और उन्नत रोवर क्यूरियोसिटी मंगल पर भेजा। इनमें से अपॉर्च्युनिटी रोवर में लगाए गए मोबाइल मौसम स्टेशनों के बारे में दावा है कि वे अब भी मंगल के वायुमंडल की लगातार जानकारी दे रहे हैं। नासा का सबसे नया रोवर पिंसविरेंस है जो इसी साल मंगल पर पहुंचा है। हालांकि इन रोबोटिक यानों से मंगल की काफी जानकारी मिली है, लेकिन विज्ञानी महसूस कर रहे हैं कि मंगल पर जीवन की संभावना तलाशने और अन्य वैज्ञानिक परीक्षणों के लिहाज से रोबोटिक यानों की अपनी सीमाएं हैं। सतह पर उनकी चाल धीमी है और उसमें भी अभी अनेक प्रकार की बाधाएं हैं। मिसाल के तौर पर इस साल 18 फरवरी को मंगल पर पहुंच चुका रोवर पिंसविरेंस लाल ग्रह पर 19 दिनों में महज आधे घंटे तक ही चल पाया है और सिर्फ साढ़े छह मीटर की दूरी तय की है। नासा का कहना है कि इस गति से तो पिंसविरेंस करीब दो वर्ष की अवधि में मंगल सतह पर करीब 15 किमी तक का सफर ही तय कर सकेगा। इस मामले में वर्ष 2004 में मंगल पर पहुंचे रोवर अपॉर्च्युनिटी ने कुछ हद तक संतुष्ट किया है। रोवर स्पिरिट के समान इसका कार्यकाल सिर्फ 90 सोल्स (मंगल ग्रह के दिनों की संख्या जो पृथ्वी के 92.5 दिनों के बराबर है) तक तय था, लेकिन यह 2018 के अंत तक 14 साल और 46 दिनों सक्रिय रहा। 10 जून 2018 को जब इसने आखिरी बार नासा से संपर्क किया, तो यह उस वक्त तक 45 किमी की दूरी तय कर चुका था। हालांकि स्पिरिट भी वर्ष 2009 में एक चट्टान में अटकने के पूर्व तक काम करता रहा और वर्ष 2010 में उसका संचार अंतिम रूप से बंद हो गया। इस तरह धीमी चाल और अन्य समस्याओं के मद्देनजर विज्ञानियों की राय थी कि किसी तरह चंद्रमा और मंगल आदि ग्रहों पर रोवरक्राफ्ट्स या हेलीकॉप्टर उड़ाए जा सकें तो वे वहां के काफी बड़े इलाके का अनुसंधान कर सकेंगे और उनके किसी चट्टान आदि में अटक जाने की आशंका भी नहीं रहेगी। सुदूर ग्रह पर जीवन सूत्रों की संभावनाओं को लेकर निरंतर पड़ताल- अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन नासा के अलावा चीन और संयुक्त अरब अमीरात के मार्स मिशन भी इस साल मंगल तक पहुंचने में कामयाब रहे हैं। नासा का रोवर मंगल की सतह पर उतर चुका है, इससे हेलीकॉप्टर की उड़ान भी कराई जा चुकी है, जबकि अमीरात का प्रोब-होप मंगल ग्रह की परिक्रमा करते हुए उसका अवलोकन करेगा। खास बात यह है कि पिछले साल जुलाई में प्रक्षेपित किए गए ये तीनों ही मिशन अपनी खूबियों के कारण काफी विशेष हैं। जैसे यूएई की बात करें तो अरब जगत और पश्चिम एशिया ही नहीं, किसी भी मुस्लिम देश की तरफ से मंगल पर भेजा गया यह पहला मिशन है। ब्रिटिश दासता से आजादी की 50वीं वर्षगांठ मना रहे संयुक्त अरब अमीरात के लिए यह जश्न का भी एक अवसर है। चीन के बहुउद्देशीय मिशन तिआनवेन-1 में भारतीय मंगलयान की तरह एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर शामिल है जो मंगल की सतह, उसके नीचे और ऊपर यानी वातावरण के बारे में और जानकारी जुटाएंगे।

उम्मीद की जा रही है कि इससे अंतरिक्ष में जीवन के लिए जरूरी पानी और जीवनदायी गैसों की मौजूदगी का कोई नया सूत्र मिल सकता है। इन हालिया मंगल अभियानों से इस चर्चा को भी बल मिला है कि दुनिया में कोरोना वायरस के उत्पात के मद्देनजर विज्ञानी इस प्रयास में हैं कि किसी तरह पृथ्वी से बाहर इंसानी बस्तियां बसाने का कोई जुगाड़ हो सके, ताकि भविष्य में धरती पर मानव प्रजाति के भविष्य को लेकर कोई संकट या महाविनाश जैसी स्थितियां पैदा होती हैं तो कुछ इंसानों को मंगल के सुरक्षित माहौल में भेज दिया जाए और पृथ्वी पर हालात सुधरने के बाद वे यहां वापस आकर जीवन का सिलसिला नए सिरे से शुरू कर सकें।

मंगल पर जीवन की संभावनाओं की खोज के जरिये वैज्ञानिक यह साबित करना चाहते हैं कि मंगल अब तक के अनुमानों के विपरीत एक सूखा और बंजर ग्रह नहीं है। इसका एक मजबूत आधार मंगल की सतह पर मौजूद पानी है, जिसके बहने के संकेत मिलते रहे हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

इटावा में समाजवादी पार्टी तो बागपत में आरएलडी का दबदबा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में गांव की सरकार बनाने के लिए मतगणना अभी पूरी नहीं हो सकी है। कहीं पर किसी प्रत्याशी को अपने परिणाम का इंतजार है तो कहीं पर रीकाउंटिंग का पेंच फंसा है। कोरोना वायरस संक्रमण के दौर में भी प्रदेश में चार चरणों में सम्पन्न मतदान के बाद रविवार से शुरु हुई मतों की गिनती अभी भी पूरी नहीं हो सकी है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान तथा ग्राम पंचायत सदस्य के पद के लिए मतदान हुआ था।

पंचायत चुनाव में जिला पंचायत सदस्य के पद पर राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशी उतारे थे। इनमें से किसी को भी पार्टी सिंबल नहीं दिया गया है। इस पद के अधिकांश नतीजे आ चुने हैं, जिसमें सत्ता पर काबिज भाजपा ने बढ़त बना रखी है जबकि उसको समाजवादी पार्टी से कड़ी टक्कर मिल रही है। बहुजन समाज पार्टी ने भले ही अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, लेकिन कांग्रेस का तो पत्ता ही गोल दिख रहा है। निर्दलीय तथा बागी प्रत्याशियों ने भी अपनी ताकत दिखाई है। जिसके कारण अनके दिग्गजों को शिकस्त झेलनी पड़ी है।

इटावा में समाजवादी पार्टी का दबदबा: समाजवादी पार्टी के गढ़ माने जाने वाले इटावा में भले ही पार्टी का सांसद न हो, लेकिन पार्टी ने गांव की सरकार के गठन में बाजी मार ली है। समाजवादी पार्टी ने इटावा में जिला पंचायत सदस्य पद के चुनाव में 24 में से 18 सीट पर जीत दर्ज की है। भाजपा ने दो सीट जीतने में सफलता प्राप्त की है जबकि बसपा के खाते में एक सीट आई है। यहां पर तीन निर्दलीय भी जीते हैं। बागपत में राष्ट्रीय लोकदल का कमाल: जिला पंचायत के चुनाव में बागपत में राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशियों ने जिला पंचायत सदस्य पद के चुनाव में सत्ता पर काबिज भाजपा के साथ अन्य दलों को भी चौंका दिया है। यहां की 20 सीट में से राष्ट्रीय लोकदल ने आठ में जीत दर्ज की है। भाजपा व सपा ने चार-चार सीट जीती है जबकि बसपा ने खाता खोला है। तीन अन्य सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं।

रामनगरी अयोध्या में भाजपा को झटका: रामनगरी अयोध्या में समाजवादी पार्टी ने जिला पंचायत सदस्य चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को करारी शिकस्त दी है। यहां पर 40 सीटों में से समाजवादी पार्टी ने 22 पर जीत दर्ज की है। इसके साथ ही सपा ने जिला पंचायत अध्यक्ष के सीट पर दावा ठोक दिया है। भारतीय जनता पार्टी यहां आठ सीट पर ही सिमट गई है जबकि चार सीट पर बसपा के प्रत्याशी जीते हैं। यहां पर निर्दलीय छह सीट पर जीते हैं।

बलिया में राम गोविंद चौधरी को झटका: विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी को बलिया की जनता ने निराश किया है। बलिया में उनके बेटे जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हार गए हैं। रामगोविंद के पुत्र रंजीत चौधरी वार्ड 16 से चुनाव हार गए हैं। उन्हें बसपा समर्थित प्रत्याशी असगर ने 1896 वोट से हराया। इसके अलावा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह वार्ड 12 तथा एक और पूर्व जिलाध्यक्ष सच्चिदानन्द तिवारी वार्ड 17 से चुनाव हारे हैं। यहां भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष देवेंद्र यादव वार्ड 10 से चुनाव हारे हैं तो पूर्व मंत्री अम्बिका चौधरी के लिए राहत की खबर है। उनके पुत्र आनन्द चौधरी वार्ड 44 से जीते हैं। इसके साथ सपा के जिलाध्यक्ष राजमंगल यादव की पत्नी रंजू देवी वार्ड 42 से जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुई हैं।

लखनऊ में हारीं भाजपा की रीना चौधरी: लखनऊ में ही मोहनलालगंज से दो बार सांसद रही भाजपा की प्रत्याशी रीना चौधरी को शिकस्त झेलनी पड़ी है। जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट पर काबिज होने की उम्मीद से उतरीं भाजपा प्रत्याशी रीना चौधरी को हार का सामना करना पड़ा। इनको चौधरी को समाजवादी पार्टी समर्थित पलक रावत ने वार्ड 15 से शिकस्त दी है।

रीना चौधरी को 2099 वोट से हार मिली है। लखनऊ में जिला पंचायत सदस्य के 25 पद हैं। यहां भाजपा को समाजवादी पार्टी कड़ी टक्कर मिल रही है। उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने अधिकृत रूप से अभी जिला पंचायत सदस्य के 3051 पदों के लिए 181 पदों पर ही परिणाम घोषित किया है। इसके विपरीत लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने जिला पंचायत सदस्य की 918 सीटें जीतने और 557 सीटों पर निर्णायक बढ़त का दावा किया है।

संक्षिप्त खबर

जेल में बंद हत्या की कोशिश करने का आरोपित बना ग्राम प्रधान

गोरखपुर । गोरखपुर के बेलीपार क्षेत्र के चंदौली बुजुर्ग गांव में पूर्व प्रधान, प्रधान पद की प्रत्याशी व उनके समर्थक पर गोली चलाने का आरोपित संतोष यादव चुनाव जीत गया। मतदान से पहले साथी साथ मिलकर उसने फायरिंग कर दी थी। जेल में बंद संतोष निषाद प्रधान चुना गया है।

13 अप्रैल को चंदौली बुजुर्ग गांव में हुई थी घटना- 13 अप्रैल को पूर्व प्रधान अखिलेश सिंह, प्रधान पद की प्रत्याशी शीला गुप्ता और उनके समर्थक नंदगोपाल को गांव में समय माता स्थान के पास गोली मार दी गई।शिव चर्चा के बाद अखिलेश प्रसाद बांट रहे थे। गोली चलाने वाले जयेश निषाद को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। पिटाई करने के बाद उसे पिस्टल के साथ पुलिस को सौंप दिया। दो अन्य लोगों को एक दिन बाद ही अस्पताल से छुट्टी मिल गई। पुलिस ने हत्या की कोशिश व धमकी देने का केस दर्ज कर मौके से पकड़े गए जयेश निषाद और प्रधान पद के उम्मीदवार संतोष निषाद को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

जिंदगी की जंग हारने वाले गिलगिल दुबे जीते चुनाव- उधर, गोली लगने के बाद केजीएमयू में दम तोड़ने वाले गिलगिल दूबे खजनी के मिश्रौलिया गांव से प्रधान पद पर चुनाव जीत गए। सोमवार को घोषित हुए परिणाम में उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी व हत्यारोपित शंभू यादव को 296 वोट से हरा दिया।परिणाम घोषित होने के बाद गांव की स्थिति पर पुलिस की नजर है।

दस साल लगातार रहे थे प्रधान- वर्ष 2005 से 2015 तक राघवेन्द्र उर्फ गिलगिल दूबे मिश्रौलिया गांव के प्रधान रहे। पिछड़ी महिला के लिए सीट आरक्षित होने पर शंभू यादव की भाभी 2015 में प्रधान चुनी गई। इस बार सीट अनारक्षित होने पर गिलगिल दूबे चुनावी मैदान में थे। हत्यारोपित शंभू यादव भी चुनाव लड़ रहा था। 14 अप्रैल की रात में 9.30 बजे कहासुनी होने पर शंभू यादव ने पिस्टल से गोली चला दी जो गिलगिल उर्फ राघवेंद्र दूबे के पेट में जा लगी। स्वजन उन्हें मेडिकल कालेज ले गए जहां से केजीएमयू रेफर कर दिया गया। 19 अप्रैल की शाम को गिलगिल दूबे की मौत हो गई। गिलगिल दूबे के परिवार में पत्नी के अलावा 22 वर्षीय एक बेटी व 20 वर्ष का एक बेटा है। उनकी जीत पर गांव मे सन्नाटा पसरा है।

बिहार में लॉकडाउन पर नीतीश के सहयोगी मांझी ने जताया ऐतराज, पार्टी बोली- भूख से मर जाएंगे गरीब

पटना । बिहार सरकार ने मंगलवार को राज्य में 15 मई तक पूर्ण लॉकडाउन लगाने का फैसला लिया है। बिहार में बंदिश की घोषणा के साथ ही सियासत शुरू हो गई है। नीतीश कुमार की सरकार में शामिल सहयोगी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) ने इसपर ऐतराज जता दिया है। हम के प्रवक्ता दानिश रिजवान ने कहा है कि लॉकडाउन से गरीबों को दिक्कत होगी। अगर वे कोरोना से बच भी जाएं तो भूख से कैसे बचेंगे

दानिश रिजवान ने कहा कि बिहार सरकार ने लॉकडाउन का फैसला न्यायालय की टिप्पणी के बाद लिया है, लेकिन इस निर्णय से गरीब तबका निराश होगा। क्योंकि वो कोरोना से बच गया तो भूख से मर जाएगा। सरकार को उन लोगों का ख्याल रखना चाहिए जो हर दिन मेहनत करता है और शाम में अपने परिवार के लिए राशन का इंतजाम करता है। हम ने सरकार से अनुरोध किया है कि आपने लॉकडाउन का फैसला तो ले लिया है पर इसके साथ दिहाड़ी मजदूर और गरीबों की चिंता करनी होगी। हम ने कहा कि ऐसा लोगों को छूट मिलनी चाहिए। बैंक लोन लिए लोगों का इंट्रेस्ट और किराएदारों का किराया माफ होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो जनता के बीच आक्रोश पनपेगा, जिसका नतीजा बहुत खराब होगा।

कोरोना काल में पूर्व सैनिकों को राहत, सेना ने संभाली अपने पूर्व जवानों की जिम्मेदारी, हेल्पलाइन नंबर जारी

चंडीगढ़ । कोरोना के खिलाफ जंग में भारतीय सेना ने हर स्तर पर अपनी तैयारी तेज कर दी है। सेना ने संक्रमण के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए एक ओर जहां रायों सरकारों को हरसंभव मदद देने की घोषणा की है, वहीं कई जगहों पर अस्थाई अस्पतालों के निर्माण कार्य भी शुरू दिया है।

इस मुश्किल घड़ी में भी सेना ने अपने पूर्व सैनिकों व सैन्य अधिकारियों को खासतौर पर डीओ लेटर लिखकर भरोसा दिलाया है कि जैसे ही उन्हें या उनके परिवार कोविड-19 की वजह से स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत हो वह तुरंत सेना अस्पताल में संबंधित अधिकारियों से संपर्क करें, उन्हें इलाज व ऑक्सीजन संबंधी कोई दिक्कत नहीं होगी। इस बात की जानकारी खुद वेस्टर्न कमांड ने ट्वीट के माध्यम से दी है। इतना ही नहीं वेस्टर्न कमांड ने इस ट्वीट के साथ डीओ लेटर भी अपलोड किया है, जिस पर तमाम जानकारी उपलब्ध है।

दो साल में रिटायर हुए स्वास्थ्य कर्मियों को वापस बुलाया- वेस्टर्न कमांड ने युद्धस्तर पर कोरोना से निपटने के लिए पिछले 2 साल में रिटायर हुए अपने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को काम पर वापस बुलाया है और उन्हें भरोसा दिया है कि इन स्वास्थ्य कर्मियों की उनके घर के करीब ही कोविड सेंटर्स में तैनात होगी। इसके अलावा दूसरे मेडिकल अफसर जिन्होंने काफी पहले रिटायरमेंट लिया था, उन्हें भी मेडिकल इमरजेंसी हेल्पलाइंस में कंसल्टेशन देने के लिए कहा गया है। इसके अलावा जो पूर्व सैनिक मेडिकल क्षेत्र से नहीं हैं वह भी बतौर वलंटियर कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई में अपना योगदान दे सकते हैं।

नौ मई तक जारी रहेगा बारिश का सिलिसला, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

जमशेदपुर । जमशेदपुर शहर में बीते चार दिन से लगातार तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। दिन में तेज धूप और शाम होते ही आसमान पर बादल छा जाते हैं। सोमवार को भी ऐसा ही हुआ। दिनभर तेज धूप रही और शाम चार बजते ही आसमान में बादल छाने लगे। शाम पांच बजे से बारिश शुरु हुई जो देर रात तक झिमझिम बारिश होती रही। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, तेज हवा व गर्जन के साथ बारिश की सिलसिला नौ मई तक जारी रहेगा।

पहले छह मई तक संभावना जताई गई थी लेकिन अब नौ मई तक बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। तेज हवा के साथ बारिश होने से शहर में बिजली की समस्या उत्पन्न हो गई है। जहां-तहां पोल गिरने से बिजली बाधित हो रही है। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा। इधर, सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई।

मेरठ में रालोद व बसपा की लगी लाटरी, मुजफ्फरगनर में हाई बोल्टेज ड्रामा के बाद भाजपा समर्थित प्रत्याशी की जीत

मेरठ । स्त्रिस्तरी पंचातय चुनाव की मतगणना आज तीसरे दिन भी जारी है। अभी गांव की सकरकार बनाने का फैसला नहीं हो पाया है। वहीं दो दिनों में आए परिणाम के नतीजों में कोई अपनी जीत की खुशी जाहिर कर रहा है तो कोई हार पर गुणागणित बैठाने में जुटा हुआ है। हालाकि इसके इतर मतगणना में अभी कई जिला पंचायत सदस्य से लेकर गांव के प्रधानों के परिणाम नहीं आए हैं। जिला पंचायत सदस्य में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रालोद दबदबा बना हुआ है तो वहीं भाजपा को नुकसान हुआ है। इसके अलावा किसान आंदोलन का फायदा बसपा को भी मिला है।

मुजफ्फरगनर में वीरपाल निर्मल को हाई बोल्टेज ड्रामे के बाद जीत: कल दिन से पूरी रात तक हाई बोल्टेज ड्रामा प्रशासन, रालोद व भाजपा के बीच जारी रहा। पूरी रात की जद्दोजहद के बाद दोपहर 12:00 बजे प्रशासन ने वार्ड 42 से भाजपा समर्थित प्रत्याशी डॉक्टर वीरपाल निर्मल को जीत का प्रमाण पत्र दे दिया। बता दें कि वार्ड 42 पर हार-जीत को लेकर दिनभर भाजपा, रालोद और प्रशासन के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा। पहले भाजपा समर्थित प्रत्याशी को जीता बता दिया, जिस पर रालोद ने धरना दिया। बाद में रालोद समर्थित प्रत्याशी को विजयी बताया गया, जिस पर देर रात्रि तक भाजपा जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला समेत पदाधिकारी व प्रत्यशी धरने पर बैठे रहे।

मेरठ में रालोद व बसपा की जीत : सोमवार देर रात तक मिलें आकड़ों और रुझानों के मुताबिक भाजपा समर्थित छह प्रत्याशी या तो जीत चुके थे या फिर जीतने की स्थिति में थे। रालोद समर्थित सात प्रत्याशी जीत के आसपास थे। सबसे ज्यादा बसपा समर्थित 9 प्रत्याशी जिला पंचायत जाने की तैयारी में थे। उन्हें सबसे ज्यादा वोट मिली। सपा समर्थित चार प्रत्याशी सबसे आगे थे। चुनावी जानकारों की माने तो कृषि कानूनों का विरोध तथा भाजपा के प्रति किसानों में भरा गुस्सा पंचायत चुनाव में बाहर आकर दिखाई दिया। यही कारण था कि जिस वार्ड में रालोद प्रत्याशी भाजपा प्रत्याशी को हराने की स्थिति में नहीं था वहां उन्होंने बसपा अथवा सपा समर्थित प्रत्याशी को वोट दे दिया। जिससे वे जीत गए लेकिन भाजपा का समर्थन प्राप्त प्रत्याशी हार गए।

बुलंदशहर में रालोद के कदावर हारे: रालोद के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओमवीर सिंह वार्ड-27 से चुनावी मैदान में थे। इनके साथ-साथ इनकी पत्नी राजेश देवी भी वार्ड 45 से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ रही है। ओमवीर चौधरी को हार का सामना करना पड़ा और इनके प्रतिद्वंदी बीजेपी समर्थित नाहर सिंह ने जीत हासिल की। हालांकि ओमवीर सिंह पत्नी राजेश देवी चुनाव जीत गई हैं। जबकि ओमवीर सिंह का बेटा भी चुनाव हार गए हैं। वहीं, वार्ड 12 से रालोद समर्थित और कद्दावर नेता तथा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरेंद्र सिंह को भी हार का मुंह देखना पड़ा है लेकिन इनकी पत्नी आशा यादव वार्ड-12 चुनाव जीत गई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ का निर्देश, मीडिया कर्मियों को कोविड वैक्सीनेशन में वरीयता

लखनऊ । कोरोना वायरस की सेकेंड स्ट्रेन के लगातार तेजी से बढ़ते संक्रमण में कोरोना फ्रंटलाइन वॉरियर्स के साथ ही सर्वाधिक प्रभावित मीडिया कर्मियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने टीम-9 के साथ समीक्षा बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में सभी मीडिया कर्मियों का वरीयता पर कोरोना वैक्सीनेशन का निर्देश दिया है। बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में मीडिया कर्मियों तथा उनके परिवार के लोगों के लिए वरीयता पर फ्री वैक्सीनेशन के बाद अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बड़ा कदम बढ़ाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि उत्तर प्रदेश के पत्रकारों को वैक्सीनेशन के लिए अलग से सेंटर एलॉट कर उसको वैक्सीनेशन जोन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि अगर जरूरत पड़े तो मीडिया कर्मियों को उनके कार्यस्थलों पर कैंप लगाकर मीडिया कर्मियों के साथ उनके परिवार के 18 वर्ष के अधिक उम्र के लोगों का भी टीकाकरण करवाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मीडिया कर्मियों को कोरोना वैक्सीनेशन में प्राथमिकता दी जाए। उनके लिए अलग सेंटर बनाया जाए। इतना ही नहीं उनके परिवार के 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को मुफ्त में टीका लगवाया जाए।

उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमण से लगातार बड़े स्तर पर प्रभावित पत्रकारों और उनके परिवार के लोगों की गुहार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुन ली है। अब उत्तर प्रदेश में वैक्सीनेशनल में मीडिया कर्मियों को प्राथमिकता देने का फैसला लिया गया है।

प्रशांत किशोर की संन्यासी गुगली में उलझ सकते हैं पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़ । चुनावी रणनीतिकार और पंजाब में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार प्रशांत किशोर ने जो संन्यासी गुगली फेंकी है, उसमें मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह उलझ सकते हैं। दरअसल, पीके ने आगे से किसी भी राजनीतिक पार्टी के लिए चुनावी रणनीति बनाने से तो संन्यास ले लिया है, लेकिन उन्होंने प्रधान सलाहकार पद को न छोड़ने की बात भी कही है। यह पद उन्हें पंजाब सरकार ने दिया है न कि कांग्रेस पार्टी ने। पीके की इस गुगली को कांग्रेस पार्टी ने भी पढ़ने की कोशिश शुरू कर दी है।

पंजाब में कांग्रेस के नेताओं को यह नहीं समझ में आ रहा है कि आखिर पीके मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार तो बने रहेंगे, लेकिन चुनावी रणनीति उनकी कंपनी आई-पैक देखेगी। चूंकि इस मामले को मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा ही डील किया जा रहा है। अतः सभी की नजरें मुख्यमंत्री पर ही टिकी हुई है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ का तो साफ कहना है, यह मामला मुख्यमंत्री और प्रशांत किशोर के बीच का है। आगे क्या होगा या क्या करना है, इसके बारे में भी वह ही बता पाएंगे। कैबिनेट मंत्री बलबीर सिद्धू का भी कमोबेश यही कहना है। वहीं, चर्चा यह भी है कि अगर पीके ने चुनावी रणनीति तय नहीं करनी है तो फिर प्रधान सलाहकार के पद पर रहने का भी क्या फायदा। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं, राजनीति में इस तरह की प्रेशर बनाया जाता है, ताकि व्यक्ति का वजन भी बढ़े। चूंकि पीके पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में खासे सफल रहे तो ऐसे में उन्हें अपना वजन बढ़ाने का मौका भी मिला है।

यूपी के पत्रकारों के लिए बांदा-चित्रकूट से भाजपा सांसद ने जताई चिंता

बांदा । यूपी के पत्रकारों के लिए बांदा-चित्रकूट के सांसद आरके सिंह पटेल ने चिंता जताई है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर पत्रकारों को फ्रंटलाइन वर्कर घोषित करने के लिए कहा है। साथ ही मध्य प्रदेश में पत्रकारों को फ्रंटलाइन वर्कर घोषित किए जाने की जानकारी दी है और कहा है कि कोरोन संक्रमण काल में पत्रकार भी जान जोखिम में डालकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। जब लोग अपने घरों में कैद रहने को मजबूर हैं, उस समय पत्रकारों ने पंचायत चुनाव हो या ट्रामा सेंटर से लेकर गांव-गांव जाकर अपना काम किया है। लोगों को जागरूक करने में इनकी अहम भूमिका भी है।

सीएम को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के विकराल रूप एवं संक्रमण की तेज रफ्तार को देखते हुए पत्रकारों को भी फ्रंटलाइन वर्कर की भांति सरकार द्वारा सभी सुविधाएं मुहैया कराया जाना जनहित में जरूरी है।

मध्य प्रदेश सरकार ने सभी पत्रकारों को फ्रंटलाइन वर्कर घोषित करने का फैसला लिया है। सांसद ने कहा कि पंचायत चुनाव से लेकर कोरोना के भीषण संकट काल में पत्रकार खुद को जोखिम में डालकर अपने दायित्वों को पूरा कर रहे हैं। जब अपने दूर हो गए हैं, तब पत्रकार अस्पताल से लेकर गांव-गांव तक जाकर मदद के साथ आमजन को जागरूक भी कर रहे हैं। आज जब सभी लोग घरों के अंदर हैं तब वह फील्ड में होते हैं। पत्रकारों द्वारा जुटाई गई जानकारियों से हम लोग सुबह अपडेट होते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया जगत के कई लोग असमय इस दुनिया से विदा हो गए, उससे वह बहुत दुखी हैं।

बंटवाएंगे एक हजार भाप मशीनें

सांसद आरके सिंह पटेल ने बताया कि उन्होंने संक्रमित लोगों के बीच एक हजार भाप लेने की मशीन बंटवाने का फैसला लिया है। एक-दो दिनों के अंदर ट्रामा सेंटर व मेडिकल कॉलेज के जरिए इनका वितरण कराया जाना है। वह ऑक्सीजन के सिलिंडर तो नहीं बंटवा सकते हैं लेकिन कोरोना संक्रमित लोगों की मदद के लिए भाप मशीन जरूर बंटवा रहे हैं। भाप लेने से संक्रमित लोगों को आराम मिलेगा।

मीडिया जगत को करते हैं सैल्यूट

सांसद ने कहा कि वाकई वैश्विक महामारी के दौर में पत्रकार अपनी जान जोखिम में डाल पत्रकारिता धर्म का निर्वहन कर रहे हैं। वह मीडिया जगत को सैल्यूट करते हैं।

बिहार में 15 मई तक लगा पूर्ण लॉकडाउन, सीएम नीतीश ने खुद दी जानकारी

पटना । बिहार में पूर्ण लॉकडाउन लगाने का एलान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कर दिया है। उन्होंने बताया कि राज्य में 15 मई तक पूर्ण लॉकडाउन लागू रहेगा। इस बारे में विस्तृत गाइडलाइन आज हो रही आपदा प्रबंधन समूह की बैठक के बाद जारी कर दी जाएगी। राज्य में पूर्ण लॉकडाउन लगाने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी आइएमए के डॉक्टर, पटना एम्स के डॉक्टर, कैट से जुड़े व्यवसायियों के अलावा इंजीनियरों का संगठन बेसा भी लगातार मांग कर रहा था। पटना हाईकोर्ट ने भी सोमवार को इस मसले पर राज्य सरकार से जवाब मांगा था।

शाम तक जारी हो जाएगी विस्तृत गाइडलाइन- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज आपदा प्रबंधन समूह की बैठक करेंगे। इसी बैठक में लॉकडाउन को लेकर विस्तृत गाइडलाइन तैयार की जाएगी। शाम तक गाइडलाइन जारी कर दिए जाने की संभावना है। इसके बाद पता चलेगा कि पूर्ण लॉकडाउन में किन सेवाओं को छूट मिलेगी और कौन सी सेवाएं पूर्णतः बंद कर दी जाएंगी। दरअसल राज्य में कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने की तमाम कोशिशें अब तक नाकामयाब साबित हुई हैं। प्रदेश में हर रोज 13 से 15 हजार तक नए मरीज मिल रहे हैं। स्थिति की समीक्षा के बाद सरकार 15 मई से आगे के लिए फैसला लेगी।

सोमवार को भी मुख्यमंत्री ने की थी बैठक- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्य में कोविड की स्थिति पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उच्चस्तरीय बैठक की थी। इस क्रम में उन्होंने निर्देश दिया कि प्रशासन और पुलिस कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से अनुपालन कराए। उच्चस्तरीय बैठक के पूर्व

मुख्यमंत्री ने स्वयं शहर का जायजा लिया। ऐसी चर्चा है कि मंगलवार को आपदा प्रबंधन समूह की होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में लॉकडाउन का निर्णय लिया जा सकता है। चिकित्सकों के समूह द्वारा 15 दिनों के लॉकडाउन का परामर्श दिया जा रहा है। कोविड पर उच्चस्तरीय बैठक के पहले मुख्यमंत्री ने सोमवार की दोपहर बेली रोड, दानापुर, दीघा, गांधी मैदान, डाकबंगला, कंकड़बाग, करबिगहिया, मीठापुर सब्जी मंडी व अन्य इलाकों का जायजा लिया। पिछली बार भी आपदा प्रबंधन समूह की बैठक के पूर्व उन्होंने स्वयं शहर के विभिन्न हिस्सों का जायजा लेकर सख्ती बढ़ाए जाने का निर्णय लिया था।

ऑक्सीजन और दवा आपूर्ति पर दिए कई निर्देश- कोविड-19 को ले हुई उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिया कि कोरोना संक्रमितों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। मरीजों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तत्पर रहें। ऑक्सीजन की आपूर्ति और दवा की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए।

माइकिंग से लोगों को सतर्क करने का निर्देश - मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अनावश्यक रूप से बाहर निकलने वालों पर पुलिस नजर रखे ताकि कोरोना के फैलाव को रोका जा सके। माइकिंग से गांव-गांव तक कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को सतर्क और सजग करने के लिए निरंतर अभियान चलाएं। माइकिंग के दौरान अगल-बदल के गांव और मुहल्ले में कोरोना संक्रमितों की संख्या को बताएं। कोरोना संक्रमण के फैलाव के बारे में लोगों को सचेत करें।

300 अभियंता कोरोना से संक्रमित, बेसा ने भी की थी मांग

बिहार अभियंत्रण सेवा संघ (बेसा) के महासचिव डॉ. सुनील कुमार चौधरी ने बिहार में संपूर्ण लॉकडाउन के लिए सरकार से मांग की थी। उन्होंने बताया कि अब तक 300 से अधिक इंजीनियर और उनके स्वजन कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। पिछले दो सप्ताह में कुल 22 अभियंता कोरोना की वजह से अपनी जान गवां चुके हैं। इसी तरह आइएमए ने बताया था कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान बिहार में 1 मई तक 40 डॉक्टर अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि इनमें से ज्यादातर कोरोना के टीके की दोनों डोज भी ले चुके थे।

बरात से लौट रहे बाइक सवार युवक को ट्रक ने कुचला, घटनास्थल पर ही मौत

रोहतास । रोहतास थाना क्षेत्र के रणजीतगंज गांव के निकट डेहरी-यदुनाथपुर नेशनल हाइवे 119 पर मंगलवार को ट्रक से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक मुलायम यादव (20 वर्ष) चुटिया थाना क्षेत्र के मधुकुपिया गांव का निवासी था। हादसे के बाद चालक गाड़ी समेत भाग निकला। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया। घटना के बाद से परिवार में मातम पसर गया है।

ससुराल से लौट रहा था अपने घर स्वजनों ने बताया कि मुलायम अपने ससुराल तिलौथू थाना क्षेत्र के सरैया गांव एक शादी समारोह में भाग लेने गया था। वहां से अपने गांव लौट रहा था। डेहरी-यदुनाथपुर नेशनल हाइवे 119 पर रंजीतगंज गांव के पास ट्रक ने उसे कुचल दिया। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही ससुराल में शादी की खुशियां मातम में बदल गई। थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि मधुकुपिया गांव निवासी अनिरुद्ध यादव के पुत्र मुलायम की मौत ट्रक से टक्कर में घटनास्थल पर ही हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर भागने में सफल रहा। इस मामले में अज्ञात ट्रक चालक पर प्राथमिकी की जाएगी।

चार वर्ष पूर्व हुई थी मुलायम की शादी - स्वजनों ने बताया कि मुलायम सरिया सेटरिंग का कार्य करता था। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण एक माह पूर्व अपने घर आया था। सोमवार को सरैया गांव स्थित ससुराल में शादी थी। उसी में वह गया था। वहां से लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। मुलायम की शादी चार वर्ष पूर्व ही हुई थी। उसको एक लड़का और एक लड़की है। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी हादसे से काफी मर्माहत हैं। उनका कहना है कि अब छोटे-छोटे बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। सांत्वना देने वालों की आंखें भी नम हो जाती हैं।

बिहार में 65 हजार के मानदेय पर सालभर के लिए कांट्रैक्ट पर नियुक्त होंगे डॉक्टर, 10 से इंटरव्यू

पटना: राज्य मंत्रिमंडल ने कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकारी अस्पतालों में संविदा (कांट्रैक्ट) पर एक हजार डॉक्टरों के नियोजन का फैसला किया है। 10 मई से नियोजन की प्रक्रिया शुरू हो, इसके पूर्व स्वास्थ्य विभाग ने नियोजन की गाइड लाइन जारी कर दी है। सरकार का फैसला है कि संविदा पर नियोजित होने वाले एमबीबीएस डॉक्टरों को 65 हजार रुपये का मानदेय दिया जाएगा।

शैक्षणिक योग्यता एमबीबीएस की डिग्री -

स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन के अनुसार संविदा पर सामान्य चिकित्सक के रूप में नियोजित होने वाले डॉक्टरों के लिए शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की डिग्री होगी। नियोजन में आरक्षण रोस्टर का पालन होगा और मेधा सूची भी बनेगी। मेधा सूची का निर्धारण एमबीबीएस में प्राप्त अंक के आधार पर होगा और विदेश से प्राप्त सभी डिग्री धारकों की एमबीबीएस प्राप्तांक की गणना 50 प्रतिशत पर की जाएगी। लेकिन उनका निबंधन एमसीआइ से होना अनिवार्य होगा। नियोजन की अधिकतम आयु 2019 को सामान्य प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुरूप होनी चाहिए।

10 मई से शुरू होगा वॉक इन इंटरव्यू - स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन के अनुसार एक हजार डॉक्टरों के नियोजन के लिए वॉक इन इंटरव्यू 10 मई से शुरू होगा। 10 मई के बाद 14 मई, 17 मई और 21 मई को भी इंटरव्यू जारी रहेंगे। इसके बाद भी पद रिक्त रहते हैं तो वैसी स्थिति में प्रत्येक सोमवार को इंटरव्यू लिए जाएंगे। जिला स्तर पर जिला स्वास्थ्य समिति और मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अधीक्षक के कार्यालय में इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा। बता दें कि संविदा पर सामान्य चिकित्सक के रूप में नियोजित होने वाले डॉक्टरों के लिए शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की डिग्री होगी। कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकारी अस्पतालों में संविदा (कांट्रैक्ट) पर एक हजार डॉक्टरों के नियोजन का फैसला किया है। एमबीबीएस डॉक्टरों को 65 हजार रुपये का मानदेय दिया जाएगा।

जोधपुर में कोरोनावायरस में स्पाइक को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए कर्फ्यू के दौरान पुलिस ने नियम तोड़ने वालों को पकड़ती हुई ।

मुंबई में शादी समारोहों पर प्रतिबंध के कारण, बांद्रा कोर्ट में अपनी शादी के पंजीकरण के बाद दूल्हा और दुल्हन बाहर आते हुए।

पटियाला के एक सरकारी अस्पताल में कोविद -19 की वजह से परिवार के सदस्य की मौत पर रोते बिलखते परिवार के लोग ।

एक नजर

ममता मंत्रिमंडल में दिखेंगे कई नए चेहरे, बंगाल विधानसभा चुनाव जीत के बाद टीएमसी में सरकार गठन कवायद शुरू

कोलकाता । बंगाल विधानसभा चुनाव में दमदार जीत के बाद टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सरकार गठन करने की कवायद शुरू कर दी है। इसके साथ ही ममता बनर्जी की सरकार में मंत्रियों को लेकर भी कयास लगने शुरू हो गए हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल में पुराने चेहरों के साथ-साथ नए चेहरों को भी मौका दिया जाएगा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मंत्रियों में पुराने मंत्रियों पार्थ चटर्जी, अरुप विश्वास, फिरहाद हकीम, सुब्रत मुखर्जी, शोभनदेव चट्टोपाध्याय जैसे नाम शामिल रहेंगे, लेकिन इनमें से कुछ के विभाग बदल सकते हैं। ममता बनर्जी अपने दो कार्यकाल में अमित मित्रा को वित्त मंत्री बनाया था, लेकिन इस चुनाव में अमित मित्रा को टिकट नहीं दिया गया था। इस कारण वित्त मंत्री को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि वित्त मंत्री कौन होगा। बता दें कि साल 2011 में जीत के बाद टीएमसी के महासचिव पार्थ चटर्जी को वित्त मंत्री का दायित्व दिया गया था, लेकिन बाद अमित मित्रा को वित्त मंत्री का दायित्व देकर उन्हें शिक्षा विभाग का दायित्व दे दिया गया था।

मंत्रिमंडल में शिबपुर से निर्वाचित पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी को जगह मिल सकती है। उन्हें खेल और युवा राज्य मंत्री जैसा पद दिया जा सकता है। इसके साथ ही इस चुनाव में झाड़ग्राम, मुर्शिदाबाद और मालदा से अच्छे परिणाम मिले हैं। नये मंत्रिमंडल ने इन इलाके के नवनिर्वाचित विधायकों को जगह दी जा सकती है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में 292 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि 200 सीट पर जीत का दावा करने वाली भाजपा को मात्र 77 सीटों से संतोष करना पड़ा है।

बंगाल में अहंकार, धन बल और विभाजनकारी एजेंडे की हार हुई- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल

कोलकाता । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की प्रचंड जीत की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि अहंकार, धन बल और विभाजनकारी एजेंडे की हार हुई है। सिब्बल ने ट्वीट किया, 'पश्चिम बंगाल में अहंकार, ताकत, धन बल, राजनीति के लिए जय श्रीराम के इस्तेमाल, विभाजनकारी एजेंडे और निर्वाचन आयोग की हार हुई है।' सिब्बल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ करते हुए कहा कि इनके सामने वह खड़ी हुईं और जीतीं। शिवसेना ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अजेय नहीं हैं। पार्टी ने कहा, कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के बजाए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरी केंद्र सरकार तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी को हराने के लिए पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार में लगी थी।

बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में लगातार तीसरी बार तृणमूल कांग्रेस को रविवार को जीत दिलाई। परिणाम से साबित होता है कि पूरा तंत्र और सभी प्रौद्योगिकियां पास होने के बावजूद मोदी-शाह अजेय नहीं हैं। शिवसेना ने पश्चिम बंगाल चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन बनर्जी को समर्थन दिया था। उसने आरोप लगाया कि भाजपा ने बनर्जी को हराने के लिए धन, शक्ति और सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया।

बंगाल में दिहाड़ी मजदूर की पत्नी चंदना बाउरी बनी भाजपा विधायक, बैंक खाते में सिर्फ 6335 रुपये

कोलकाता । बंगाल विधानसभा चुनाव में भले ही भाजपा का प्रदर्शन आशानुरूप नहीं रहा हो, लेकिन पार्टी की एक महिला विधायक की जीत खूब चर्चा में है। एक दिहाड़ी मजदूर की पत्नी 30 वर्षीय चंदना बाउरी के विधानसभा पहुंचने की कहानी से हर कोई हैरान है। भाजपा के टिकट पर बांकुड़ा जिले की सालतोड़ सीट से चुनाव लड़ने वाली चंदना बाउरी ने 4,000 वोटों से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार संतोष कुमार मंडल को शिकस्त दी है। एक झोपड़ी में रहकर गुजर करने वालीं चंदना की कहानी इंटरनेट मीडिया पर भी वायरल हो रही है। चंदना बाउरी की जीत इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि वो एक साधारण परिवार से आती हैं और संपत्ति के नाम पर उनके पास एक झोपड़ी और कुछ पैसे हैं। भाजपा नेता सुनील देवधर ने ट्वीट कर जानकारी दी कि चंदना बाउरी की जमापूंजी कुल 31,985 रुपये है। उन्होंने बताया कि चंदना अनुसूचित जाति से आती हैं, झोपड़ी में रहती हैं, वह एक मजदूर की पत्नी हैं और संपत्ति के नाम पर उनके पास तीन गाय और तीन बकरियां हैं।

बैंक खाते में सिर्फ 6335 रुपये- चुनाव आयोग में दिए गए शपथ पत्र में चंदना के बैंक खाते में सिर्फ 6335 रुपये हैं। संपत्ति के नाम पर चंदना के पास तीन गाय, तीन बकरी, एक झोपड़ी और बैंक में जमा नकद मिलाकर कुल 31,985 रुपये हैं। चंदना के घर में शौचालय भी नहीं है। पार्टी के प्रति वह इतनी ज्यादा समर्पित थीं कि प्रचार के लिए रोजाना कमल के प्रिंट वाली भगवा रंग की साड़ी पहनकर निकलती थीं।

मजदूर है चंदना का पति- बताया जा रहा है कि चंदना बाउरी के पति श्रबन मजदूरी करते हैं। वह राजमिस्त्री का काम करते हैं। पति और पत्नी दोनों मनरेगा में पंजीकृत मजदूर हैं। उनके तीन बच्चे भी हैं। चंदना पिछले सात-आठ साल से भाजपा से जुड़ी हुई हैं।

ज्वलंत मुद्दों पर लोगों से वोट मांगा- चंदना अपने क्षेत्र में लोगों के बीच गईं और भाजपा की खूबियां गिनाते हुए टीएमसी पर हमला बोला। वह गंगाजलघाटी के केलाई गांव स्थित अपने घर से रोजाना सुबह आठ बजे चुनाव प्रचार के लिए निकलती थीं। उन्होंने लोगों से महिला संबंधी अपराधों, गरीबी, शिक्षा और पीने के पानी जैसे मुद्दों पर वोट मांगा।

भ्रष्टाचार के कई मामलों में संलिप्त पूर्व उपमुख्यमंत्री के तत्कालीन जनसंपर्क अधिकारी निलंबित

श्रीनगर । प्रदेश प्रशासन ने पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ताराचंद के तत्कालीन जनसंपर्क अधिकारी केवल कृष्ण शर्मा को निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के कई मामले चल रहे थे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इन मामलों की जांच कर रही है। महाप्रशासनिक विभाग ने केवल कृष्ण शर्मा को निलंबित करने का आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि फारेस्ट गार्ड केवल कृष्ण शर्मा पुत्र ज्ञान चंद शर्मा निवासी कचरैल पलांवाला तहसीदल अखूनर जो वर्तमान में पाटा पलौड़ा जम्मू में रह रहा है, जो पूर्व जम्मू-कश्मीर राज्य के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री का जनसंपर्क अधिकारी था, को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। उसके खिलाफ यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर सीविल सर्विसीज रूल्स, 1956 के नियम 31 के तहत की गई है। केवल कृष्ण शर्मा और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री तारांचद पर शिक्षा विभाग में अध्यापकों के तबादलों में रिश्वतखोरी और चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की भर्ती में घोटाले के आरोप हैं। केवल कृष्ण शर्मा ने आय से ज्ञात स्त्रौतों से कहीं ज्यादा चल अचल संपत्ति जमा की है। सर्तकता संगठन जो बाद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में बदल गया, ने 2017 में कई मामले दर्ज किए और उसके गिरफ्तार कर लिया था।

चित्तौड़गढ़ के कोविड केयर सेंटर से भागे पांच कैदियों में से दो पकड़ में आए

उदयपुर । चित्तौड़गढ़ जिले के श्रीसांवलिया अस्पताल में कैदियों के लिए बने कोविड केयर सेंटर से सोमवार को फरार पांच कैदियों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य तीन की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने बताया कि पकड़े गए कैदियों में चंदेरिया निवासी पप्पू जोगी तथा मध्यप्रदेश के सिंगोली-नीमच निवासी संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि उनके साथ फरार हुए कैदी हरपुरा-पारसोली निवासी पिंटू पुत्र संतोष ब्राह्मण, चावंडिया-पारसोली निवासी मुकेश उर्फ पप्पू पुत्र कन्हैयालाल सालवी तथा किसनियाखडी-कपासन निवासी कुलदीप पुत्र उम्मेद सिंह राजपूत की तलाश की जा रही है।

सोमवार रात उनके घरों पर पुलिस ने दबिश दी थी। उल्लेखनीय है कि सोमवार सुबह पांचों कैदी कोविड केयर सेंटर के छत का दरवाजा तोड़कर भाग निकले थे। इस सेंटर में नौ कैदी भर्ती थे और सभी कोरोना पीड़ित थे। एक अन्य कैदी के जरिए ही पुलिस को पांच कैदियों के फरार होने का पता चला। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिम्मत सिंह देवल तथा सदर थानाधिकारी दर्शन सिंह मौके पर पहुंचे। फरार कैदियों को पकड़ने के लिए जिले भर में नाकाबंदी करा दी गई थी और उनकी तलाशी में पांच टीमें लगाई गई थीं। फरार दो कैदी सोमवार देर रात ही पुलिस के कब्जे में आ गए। जिनसे अन्य तीन फरार साथियों के बारे में पूछा जा रहा है।

कैदियों के कोरोना पॉजीटिव आने पर उनके उपचार के लिए पिछले साल ही श्री सांवलिया अस्पताल के एक हिस्से में विशेष कोविड केयर सेंटर की स्थापना की गई थी। जहां सोमवार को नौ कोरोना पॉजीटिव कैदी उपचार ले रहे थे। उनमें से पांच फरार हो गए थे। पिछले साल भी इस सेंटर से दो कैदी खिड़की के रास्ते फरार हो गए थे, जो एक ही दिन में पकड़ में आ गए थे।

बेवजह घूमने वालों को किया जाएगा 14 दिन क्वारंटाइन- तेजी से फैलते कोरोना संक्रमण के बीच राजस्थान में सोमवार से नई गाइडलाइन लागू हो गई। रेड अलर्ट जन अनुशासन पखवाड़ा के नाम से लागू नहीं गाइडलाइन के अनुसार, अब विवाह समारोह में 31 से ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकेंगे। इससे अधिक लोग एकत्रित होने पर एक लाख तक का जुर्माना वसूला जा सकेगा। विवाह समारोह के आयोजन की क्षेत्रीय उपखंड अधिकारी को सूचना देनी होगी। उपखंड अधिकारी के यहां विवाह समारोह में शामिल होने वालों की सूची भी पेश करनी होगी। पहले 50 लोग तक विवाह समारोह में शामिल हो सकते थे। बेवजह सड़कों पर घूमने वालों पर सख्ती होगी। सरकार ने तय किया है कि दोपहर 12 से सुबह पांच बजे तक बिना किसी काम के घूमते नजर आने वालों को 14 दिन तक क्वारंटाइन किया जाएगा।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कोरोना के कारण नहीं मनाया जन्मदिन, प्रदेश में 17296 नए मामले

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के 71वें दिन पर सोमवार को कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं हुए। कोरोना महामारी के कारण सीएम ने जन्मदिन पर लोगों से किसी तरह के कार्यक्रम आयोजित नहीं करने और भीड़भाड़ से दूर रहने की अपील की थी। सीएम गहलोत और उनकी पत्नी सुनीता गहलोत कोरोना संक्रमित होने के कारण घर में ही रह कर डॉक्टर्स के मार्गदर्शन में दवा ले रहे हैं। क्वारंटाइन रहते हुए गहलोत वर्चअुल तरीके से कोरोना महामारी को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ले रहे हैं। उन्होंने 14 दिन तक किसी से नहीं मिलने की घोषणा की है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने गहलोत के जन्मदिन पर बधाई दी है। विभिन्न पार्टियों के नेताओं व उनके समर्थकों ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ही गहलोत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

राजस्थान में कोरोना के 17296 नए मामले और 154 मौतें- राजस्थान में तेजी से फैल रही कोरोना महामारी के बीच एक्टिव केसों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में एक लाख 94 हजार 371 एक्टिव केस हैं। इसी बीच, 24 घंटे में 17,296 संक्रमित मिले और 154 की मौत हो गई। अब तक कुल संक्रमितों की संख्या छह लाख 51 हजार 247 हो गई। कुल मृतकों का आंकड़ा 4712 है। उपचार के बाद 11,949 पीड़ित सोमवार को स्वस्थ हो गए। इसी बीच, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर से हालात भयावह होते जा रहे हैं। ऑक्सीजन की मांग इतनी हो गई कि हम केंद्र सरकार से इसकी भीख मांग रहे हैं। गहलोत ने कहा कि मैंने सोमवार को ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बात की। उन्होंने पांच टैंकर अलाट करने की बात कही है। ऑक्सीजन, दवाइयों के साथ क्रायोजैनिक टैंकर की भीख मांग रहे हैं।

प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल से लेकर किसी को नहीं छोड़ा। सबसे ऑक्सीजन और दवाओं की बात की है। गहलोत सोमवार को कांग्रेस से जुड़े मजदूर संगठन इंटक के स्थापना दिवस पर वर्चुअल समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि उच्च स्तर से टैंकर अलॉट हो रहे हैं। राजस्थान सरकार कोरोना के आंकड़े छिपाती नहीं है, कई राज्य छिपाते हैं। कर्नाटक के सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन बंद होने से 24 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी पर काबू पाने के लिए 15 दिन का रेड अलर्ट पखवाड़ा शुरू हुआ है, इसे लॉकडाउन ही समझा जाए। गहलोत ने कहा कि लोगों को कोरोना महामारी की गंभीरता बताने के लिए पुलिस का फ्लैग मार्च करवाया गया।

विधायक धरने पर बैठे

ऑक्सीजन की कमी से पीड़ितों की बिगड़ी हालत को देखते हुए अलवर शहर के विधायक संजय शर्मा सोमवार को जिला कलेक्टर के समक्ष धरने पर बैठ गए। कलेक्टर नन्नूमल पहाड़िया ने इंतजाम के प्रयास का भरोसा दिलाया, लेकिन वे काफी देर तक वहां से नहीं हटे। करीब एक घंटे तक विधायक और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बातचीत होती रही। काफी जद्दोजहद के बाद विधायक इस आश्वासन के साथ धरने से उठे की शीघ्र ही मांग के अनुसार ऑक्सीजन उपलब्ध करा दिया जाएगा।

राजस्थान में बेवजह घूमने वालों को किया जाएगा 14 दिन क्वारंटाइन

जयपुर । तेजी से फैलते कोरोना संक्रमण के बीच राजस्थान में सोमवार से नई गाइडलाइन लागू हो गई। रेड अलर्ट जन अनुशासन पखवाड़ा के नाम से लागू नहीं गाइडलाइन के अनुसार, अब विवाह समारोह में 31 से ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकेंगे। इससे अधिक लोग एकत्रित होने पर एक लाख तक का जुर्माना वसूला जा सकेगा। विवाह समारोह के आयोजन की क्षेत्रीय उपखंड अधिकारी को सूचना देनी होगी। उपखंड अधिकारी के यहां विवाह समारोह में शामिल होने वालों की सूची भी पेश करनी होगी। पहले 50 लोग तक विवाह समारोह में शामिल हो सकते थे। बेवजह सड़कों पर घूमने वालों पर सख्ती होगी। सरकार ने तय किया है कि दोपहर 12 से सुबह पांच बजे तक बिना किसी काम के घूमते नजर आने वालों को 14 दिन तक क्वारंटाइन किया जाएगा।

अंतिम संस्कार में मात्र 20 ही लोग शामिल हो सकेंगे। पुलिस और जिला प्रशासन ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती बरतेगा। निजी वाहन एक से दूसरे जिले में नहीं जा सकेंगे। शुक्रवार रात से सोमवार सुबह छह बजे तक वीकेंड कर्फ्यू जारी रहेगा। आगामी 17 मई तक आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी और गैर सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। आटा चक्की, किराना की दुकानें प्रतिदिन सुबह छह से 11 बजे तक खुल सकेंगी। दूध डेयरी सुबह छह से 11 और शाम पांच से सात बजे तक खुलेंगी। रेस्टोरेंट्स, बेकरी आदि नहीं खुलेंगी, लेकिन होम डिलीवरी की सुविधा रात आठ बजे तक मिल सकेगी। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट पर जाने वालों को टिकट दिखाने पर घर से बाहर निकलने की अनुमति होगी। राज्य के बाहर से आने वालों को 72 घंटे पूर्व कराई गई आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। वैक्सीनेशन के लिए लोगों को आने-जाने की सुविधा होगी। पेट्रोल पंपों पर निजी वाहनों को सुबह सात से दोपहर 12 बजे तक ही पेट्रोल व डीजल उपलब्ध हो सकेगा। बसों में कुल क्षमता के 50 फीसद यात्री ही बैठ सकेंगे।

विक्रम रंधावा 24 घंटे में माफी मांगें या मानहानि के केस का सामना करने को तैयार रहें

जम्मू । प्रदेश भारतीय जनता पार्टी में हड़कंप मचा हुआ है। पार्टी सचिव पूर्व एमएलसी विक्रम रंधावा ने खुलेआम केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह और कुछ वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उन्हें कथित तौर पर खनन माफिया से जोड़ने का प्रयास किया है। वह यहीं पर नहीं रुके, उन्होंने आत्मदाह की धमकी देते हुए कहा कि पहले हम जिला खनन अधिकारी को आग लगाएंगे। इस बीच डॉ जितेंद्र सिंह के कार्यालय ने विक्रम रंधावा के आरोपों को बेबुनियाद करार देते हुए कहा कि वह सार्वजनिक तौर पर क्षमायाचना करें या फिर एक करोड़ रूपये के मानहानि के मामले का अदालत में सामना करने को तैयार रहें।

केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह के संसदीय क्षेत्र के प्रभारी संजीव शर्मा ने विक्रम रंधावा के आरोपों को नकारते हुए कहा कि विक्रम रंधावा 24 घंटे के भीतर अपने आरोप साबित करें या फिर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगें। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो डॉ सिंह की तरफ से उन पर एक करोड़ रुपये का मानहानि का मुकद्दमा दर्ज कराया जाएगा। मुझे लगता है कि विक्रम रंधावा किसी के बहकावे में आकर डॉ सिंह की छवि बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ सिंह ने अभी तय नहीं किया है कि वह खुद यह दावा करेंगे या पार्टी मामला दर्ज कराएगी।

वहीं भाजपाध्यक्ष रविंद्र रैना ने रंधावा द्वारा लगाए गए सभी आरोपों की जांच पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सचिव को मंत्री के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए था। उन्हें यह मामला पहले पार्टी आला कमान के नोटिस में लाना चाहिए था। आपको जानकारी हो कि गत सोमवार को अपने घर पर पत्रकारों से बातचीत में विक्रम रंधावा ने भूविज्ञान एवं खनन विभाग पर आरोप लगाए कि स्टोन क्रशरों को सील करने के बावजूद भी उन पर जुर्माना लगाया जा रहा है। इस बारे में जब उन्होंने एक विभागीय अधिकारी से पूछा तो उसने तथाकथित तौर पर कहा कि हम तो एजेंट जैसे ही हैं, केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह को हफ्ता चाहिए। पूर्व एमएलसी और प्रदेश भाजपा सचिव विक्रम रंधावा ने कहा कि जम्मू में रेत-बजरी के अवैध खनन और कुछ खास लोगों को ही ठेके दिलाने में डा सिंह की तथाकथित भूमिका है। यह मैं नहीं कहता, जम्मू-कश्मीर प्रशासन के कुछ खास अधिकारियों ने ही मुझे बताया है।

रंधावा ने कहा कि भूविज्ञान एंव खनन विभाग ने जम्मू-कश्मीर में स्थानीय उद्योगपतियों की जीना मुश्किल कर दिया है। उन्होंने जिला खनन अधिकारी अंकुर सचदेवा का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने नवंबर 2020 में 14 स्टोन क्रशर पर छापेमारी की। यह सभी क्रशर स्थानीय लोगों के हैं। जब उन्हें वहां कुछ भी गलत नहीं मिला तो उन्होंने जुर्माना करना शुरु कर दिया। मुझे 21 लाख रूपये का नोटिस भेजा गया, कइयों को 25 लाख का नोटिस मिला। हमने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। अदालत ने 19 अप्रैल को खनन विभाग को स्टोन क्रशर पर पाबंदी हटाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही कहा गया कि लगाए गए जुर्माने का 10 प्रतिशत वसूला जाए। लेकिन मैं 10 प्रतिशत भी देने को तैयार नहीं था। अन्य लोगों के कहने पर मैं मान गया। जब हम हाईकोर्ट में लिखकर देने लगे तो जिला खनन अधिकारी ने 75 लाख का जुर्माना ठोक दिया। अगर जिला खनन अधिकारी ने एक सप्ताह तक अपना नोटिस वापस नहीं लिया तो हम सभी स्टोन क्रशर मालिक अपने स्वजनों के साथ 10 मई को उनके कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करेंगे। लेकिन हम अकेले आग में नहीं जलेंगे पहले जिला खनन अधिकारी को आग लगाएंगे। मैं उसे गोली मार दूंगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र रैना ने कहा कि प्रदेश सचिव विक्रम रंधावा ने जो आरोप लगाए हैं, वह भाजपा नेता के तौर पर नहीं बल्कि स्टोन क्रशर एसोसिएशन के अध्यक्ष के तौर पर लगाए हैं। इसलिए हमारा इससे कोई सरोकार नहीं है, लेकिन जो आरोप हैं, वह काफी संगीन हैं। सच का पता लगाने और दोषियो के खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए सरकार को इनकी निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। विक्रम रंधावा ने उत्तेजना और गुस्से में जो अमर्यादित भाषा इस्तेमाल की है, वह निंदनीय है।

ट्वीट को लेकर कंगना के खिलाफ कोलकाता में शिकायत दर्ज, बंगाल चुनाव मतगणना दिन अभिनेत्री रनौत ने किए थे कई ट्वीट

कोलकाता । बंगाल चुनाव की मतगणना के दिन अभिनेत्री कंगना रनौत ने कई ट्वीट किए थे और राष्ट्रीय नागरिक पंजी(एनआरसी), संशोधित नागरिकता कानून(सीएए) से लेकर रोहिंग्या और बाहरी के मुद्दे पर मुख्यमंत्री व तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा था। इसे लेकर एक वकील ने उनके खिलाफ कलकत्ता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वकील ने अपनी तहरीर मे लिखा है कि कंगना बंगाल में कानून-व्यवस्था बिगाड़ना चाहती हैं। वह मुंबई की रहने वाली हैं और पेशे से सिल्वर स्क्रीन अभिनेत्री, लेकिन अभी उनके ट्विटर वॉल पर एकमात्र बंगाल चुनाव है।

आरोप है कि रविवार को बंगाल में मतगणना शुरू होने के बाद से उन्होंने कई ट्वीट किए। उनमें बंगाल की तुलना कश्मीर से की गई। वहीं ममता बनर्जी का रावण बताकर मजाक उड़ाया गया। तृणमूल चुनाव जीतने के बाद तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। कंगना ने इस संदर्भ में कई ट्वीट किए हैं। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या ममता बनर्जी की असली ताकत हैं। आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में अब हिंदू बहुसंख्यक नहीं हैं और बंगाली मुसलमान भारत में सबसे गरीब हैं। बंगाल को एक और कश्मीर बनाया जा रहा है। कंगना यहीं नहीं रुकीं।

उन्होंने एक के बाद एक कई ट्वीट कर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा। आरामबाग में भाजपा के पार्टी कार्यालय में आग लगने की खबर पर एक ट्वीट का जवाब देते हुए उन्होंने लिखा कल से बंगाल में खूनखराबा होगा। कंगना ने एक बार फिर ट्विटर पर अमित शाह को टैग करके बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं को बचाने की अपील की। ममता की टीम की जीत की घोषणा के बाद कंगना ने उन्हें बधाई देते हुए ट्वीट किया, लेकिन उस ट्वीट में भी तीखे तेवर थे।

उन्होंने लिखा था कि ममता 2019 में लोकसभा चुनाव में हारने के बावजूद इस विधानसभा चुनाव में एक बाघ की तरह लड़ाई लड़ी है। गृह मंत्री के हेलीकॉप्टर को उतरने की अनुमति नहीं थी। सीएए, एनआरसी अटक गया। पीएम मोदी से खेल की बात कहती है। बिल्कुल खुले तौर पर शरणार्थियों को शरण दिया जा रहा है उन्हें वोटर कार्ड दिए। लोकतंत्र यहां मजाक है। फिर भी मैं ममता बनर्जी को सलाम करती हूं। क्योंकि अगर आपको खलनायक बनना है, तो ममता की तरह बनें।

सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला को पूरी सुरक्षा देगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला को आश्वस्त किया कि उनको पूरी सुरक्षा दी जाएगी। राज्य के गृह मंत्री शंभूराजे देसाई ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि पूनावाला चिंता न करें। उनको पूरे विवरण के साथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराना चाहिए कि किन-किन लोगों और किन फोन नंबरों से धमकी दी गई। हम उसकी गहराई से जांच कराएंगे।

धमकी पर दर्ज कराएं पुलिस में शिकायत- इस बीच, राज्य के आवास मंत्री डा. जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि पूनावाला को मिली धमकियों की सच्चाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूनावाला को धमकियों को लेकर चिंतित नहीं होना चाहिए। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने पूनावाला से आग्रह किया कि उन्हें भारत लौट आना चाहिए और आश्वस्त किया कि उनकी पार्टी उनको पूरी सुरक्षा देगी।

पटोले ने कहा कि देश को उनकी सेवाओं की जरूरत है। उनको केवल वैक्सीन निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उधर राज्य के उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने कुछ टीवी चैनलों की खबरों का खंडन किया कि शिव सेना के लोग पूनावाला को धमका रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल शिव सेना को बदनाम करने की साजिश है। इस बीच, पूनावाला ने कहा कि वैक्सीन बनाना एक स्पेशलाइज्ड प्रोसेस है। रातोंरात उत्पादन बढ़ाना संभव नहीं है। भारत की आबादी बहुत अधिक है और सभी वयस्क आबादी के लिए वैक्सीन बनाना आसान काम नहीं है। दुनिया के सबसे विकसित देशों और कंपनियों को भी हमसे बहुत कम आबादी के लिए वैक्सीन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम पिछले साल अप्रैल से सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमें सरकार की तरफ से हर तरह का सहयोग मिला, चाहे वह साइंटिफिक हो, रेग्युलेटरी हो या फाइनेंशियल। सब जल्दी वैक्सीन चाहते हैं। हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में और अधिक मेहनत और मजबूती से काम करेंगे।

अब मेड का रोल प्ले करेंगी बहू से बेब बनीं देवोलीना भट्टाचार्जी

बेब सीरीज को लेकर शेयर की अहम बातें

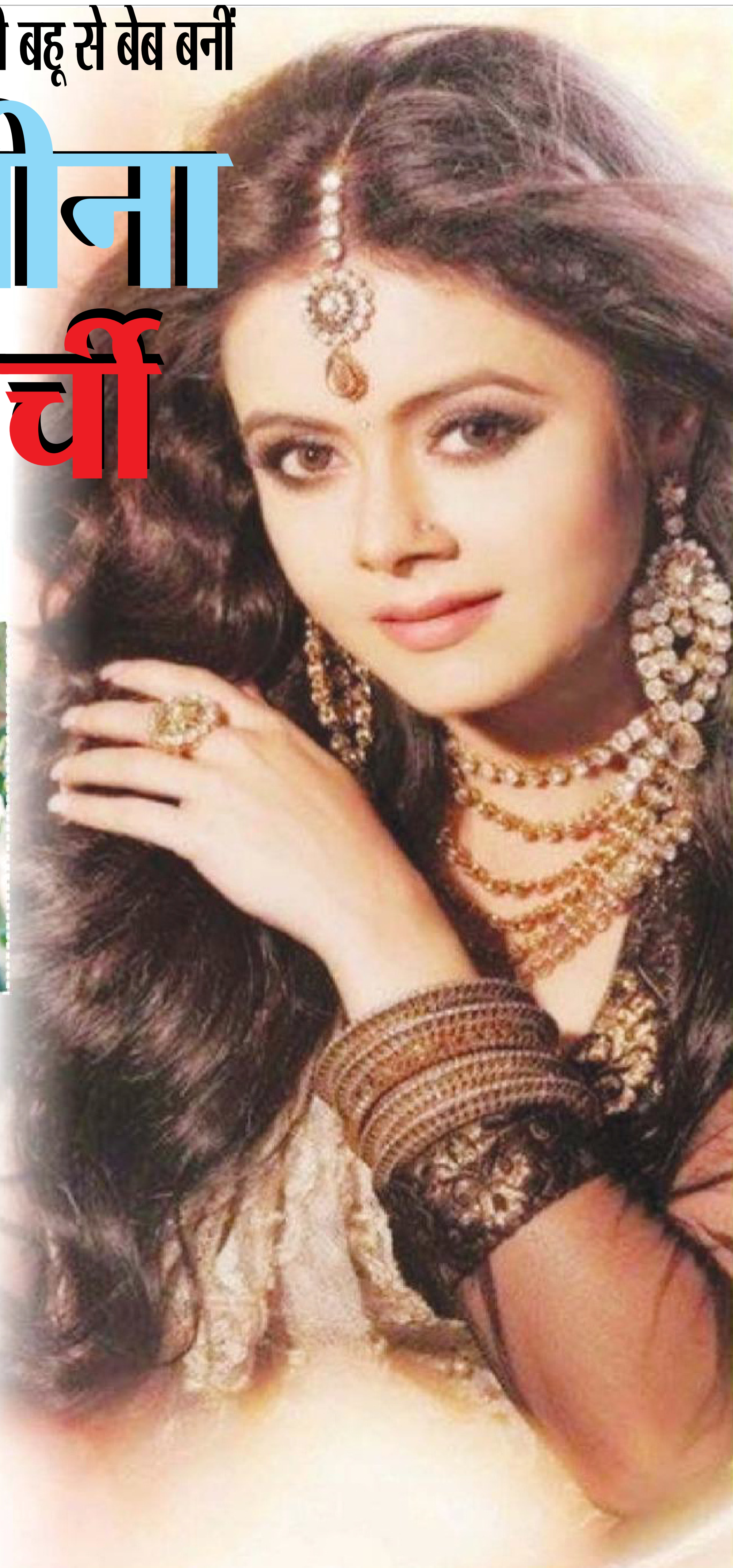

टीवी सीरियल साथ निभाना साथिया (Saath Nibhaana Saathiya)' से घर-घर में संस्कारी बहू के रूप में पहचान बनाने वाली देवोलीना भट्टाचार्जी (Devoleena Bhattacharjee) एक ही इमेज के साथ बंधकर रहने में विश्वास नहीं करतीं. इस बात को देवोलीना ने टेलीविजन रियेलिटी शो बिग बॉस (Bigg Boss)' के दौरान साफ जाहिर कर दिया था. शो के दौरान अपना बेब वाला अवतार दिखाने के बाद अब टीवी की बहूरानी, नौकरानी की किरदार निभाने वाली हैं. देवोलीना भट्टाचार्जी एक वेब सीरीज में मेड का किरदार निभाती नजर आएंगी.

यह वेब सीरीज कोरोना वॉरियर्स पर बनी है, जो जल्द ही हॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी. आकाश गोयला की ये मिनी वेब सीरीज है लंच स्टोरीज का चैप्टर 2 द डेट स्टोरी. सीरीज के चैप्टर 2 में देवोलीना भट्टाचार्जी मेड का किरदार निभाती नजर आएंगी. हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब देवोलीना भट्टाचार्जी किसी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं. वह पहले ही 2019 में उल्लू ऐप की वेब सीरीज स्वीट लाई से डिजिटल प्लेटफॉर्म में कदम रख चुकी हैं.

द डेट स्टोरी को लेकर आज तक से बातचीत करते हुए देवोलीना ने बताया जब मैंने पहली वेब सीरीज की थी उस वक्त ओटीटी प्लेटफॉर्म्स धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहे थे. मैंने उल्लू OTT प्लेटफॉर्म के लिए एक वेब सीरीज की थी. ये स्टोरी एक हाउस वाइफ की थी, जो काफी क्यूट थी. ये मेरी दूसरी ओटीटी स्टोरी है. OTT स्टोरीज में कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें एक्सेप्ट करने में हमें टाइम लगेगा, अभी हम इन के साथ कंफर्टेबल नहीं हो पाए हैं.

इसलिए मुझे थोड़ा टाइम लग गया, ऐसी स्टोरी पाने में जिसके साथ मैं कंफर्टेबल हूं और अपने कैरेक्टर को एंजॉय कर सकूं.

इस वेब सीरीज को लेकर मैं काफी खुश हूं, क्योंकि इसकी जो स्टोरी है, उसे आप आज-कल हर रोज अपने इर्द गिर्द होते देख रहे हैं. लंच स्टोरीज में ऐसे लोगों की स्टोरी है, जिनके अपने सपने होते हैं और जब वह आपस में मिलते हैं तो क्या-क्या होता है, यही सब इस सीरीज में देखने को मिलेगा.

इस महामारी में दीपिका पादुकोण को है लोगों के मेंटल हेल्थ की फिक्र, शेयर किए हेल्पलाइन नंबर्स

दीपिका पादुकोण (Deepika Padukone) डिप्रेशन (Depression) के खिलाफ हमेशा जंग में शामिल होती रही हैं. दीपिका का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य (Mental Health) को लेकर ज्यादा जागरूकता की जरूरत है.

उनका मानना है कि आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर चर्चा होनी चाहिए और इस संबंध में अधिक जागरूकता पैदा करने की जरूरत है. अब दीपिका पादुकोण(Deepika Padukone) ऐसे मुश्किल समय में जो लोग मेंटली परेशान हो रहे हैं उनके लिए उन्होंने वैरिफाइड मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन नंबर्स शेयर किए हैं.

दीपिका पादुकोण (Deepika Padukone) ने सभी हेल्पलाइन्स नंबर्स शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं और मेरे परिवार को मिलाकर लाखों लोग इस वायरस से बचने की कोशिश कर रहे है तो ऐसे में याद रखें हमें इमोशनली भी स्ट्रॉन्ग रहना है. याद रखें, आप अकेले नहीं हैं. हम सब साथ हैं.' दीपिका का कहना है कि हमें मेंटल हेल्थ को सीरियसली लेना चाहिए.

आपको बता दें कि दीपिका सोशल मीडिया पर डिप्रेशन और मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाने का काम करती रहती हैं. दीपिका पादुकोण ने इसी पिछले साल 21 जून को एक पोस्ट शेयर किया था जिसमें उन्होंने लिखा था- Repeat After Me: डिप्रेशन ट्रीट किया जा सकता है. Repeat After Me: डिप्रेशन का इलाज संभव है. Repeat After Me: डिप्रेशन को रोका जा सकता है. The Live Love Laugh Foundation जिसकी फाउंडर दीपिका पादुकोण हैं,

लोगों को मानसिक सेहत दुरुस्त रखने के लिए जागरूक करता है. फाउंडेशन की तरफ से मेंटल हेल्थ से जूझने के उपाय भी बताए जाते हैं.दीपिका, शाहरुख खान और जॉन अब्राहम की फिल्म पठान भी आने वाली है. फिल्म में जबरदस्त एक्शन सीन्स होंगे. फैंस दीपिका और शाहरुख को एक बार फिर साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं.

रुबीना दिलैक ने अभिनव शुक्ला से छुपाई इतनी बड़ी बात, कोरोना पॉजिटिव होने पर पति को नहीं दी जानकारी

कोरोना वायरस (Coronavirus) की दूसरी लहर में कोविड 19 के पॉजिटिव मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. बॉलीवुड और टीवी के कई सेलेब्स इस वायरस की चपेट में आ गए हैं. हाल ही में बिग बॉस 14 (Bigg Boss 14) की विनर रुबीना दिलैक (Rubina Dilaik) भी कोरोना संक्रमित हो गई थी. उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी थी. रुबीना ने अपने कोरोना संक्रमित होने की जानकारी पति अभिनव शुक्ला को नहीं दी थी.

अभिनव शुक्ला (Abhinav Shukla) हाल ही में पंजाब से मुंबई लौटे हैं और यहां आकर उन्हें पता चला है कि रुबीना भी कोरोना की चपेट में आ गई है. हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिनव शुक्ला ने बताया कि, रुबीना फिलहाल शिमला में है और ठीक है, लेकिन मैं वहां जाने के बाद भी उससे मिल नहीं सकता.इसलिए वहां जाने का कोई मतलब नहीं है.

अभिनव शुक्ला ने कहा कि, हमें इस वक्त में घबराना नहीं चाहिए बल्कि ये सोचना चाहिए कि इन हालातों में सब कैसे हैंडल करना चाहिए ताकि किसी को भी कोई परेशानी ना हो. अगर हम घबरा जाएंगे तो परिवार में भी सब लोग वहीं करेंगे. इसलिए हमें हिम्मत से काम लेना है. और रुबीना सभी निर्देशों का पालन कर रही हैं. मुझे उम्मीद है कि वो जल्द ही ठीक हो जाएंगी.

कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी देते हुए बिग बॉस 14 (Bigg Boss 14) की विनर रुबीना दिलैक (Rubina Dilaik) ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं हमेशा पॉजिटिविटी की ओर देखती हूं. मैं भी अब एक महीने बाद प्लाज्मा डोनेट करने के लिए एलिजिबल हो जाऊंगी. टेस्ट पॉजिटिव आया है. 17 दिनों के लिए होम क्वारंटाइन पिछले 5 से 7 दिनों में जो भी लोग मेरे संपर्क में आए हैं, कृपया अपना टेस्ट करवाएं.वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वह फेमस सीरियल 'शक्ति = अस्तित्व के अहसास' की में नजर आ रही हैं. रुबीना का पहला म्यूजिक वीडियो 'मरजानियां' रिलीज हुआ था. इस गाने में उनके साथ अभिनव शुक्ला भी नजर आए थे. इस गाने को नेहा कक्कड़ ने अपनी आवाज दी थी. इसके बाद वह पारस छाबड़ा के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आए थे, जिसका टाइटल गलत है.

विद्या बालन से पहले कंगना रनौत को ऑफर हुई थी डर्टी पक्चिर, एक्ट्रेस ने कहा मैं इसे जज ही नहीं कर पाई

बॉलीवुड की बेबाक एक्ट्रेस ने फिल्म द डर्टी पिक्चर (The Dirty Picture) को लेकर बड़ा खुलासा किया है. हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया की फिल्म द डर्टी पिक्चरमें एक एडल्ट स्टार सिल्क का किरदार विद्या बालन से पहले उन्हें ऑफर किया गया था, लेकिन उन्होंने इसे करना से मना कर दिया था. अब कंगना को इस बात का पछतावा भी होता है.

कंगना रनौत (Kangana Ranaut) ने एक इंटरव्यू में कहा कि पहले ये ऑफर उन्हें मिला था लेकिन उन्होंने इसे करने से मना कर दिया. उन्होंने कहा कि वह विद्या बालन से अच्छा किरदार नहीं निभा पाती. फिल्म में उनकी अदाकारी बहुत ही अद्भुत थी. इस फिल्म में सिल्क का किरदार निभाने के लिए विद्या बालन की काफी सराहना की गई. इतना ही नहीं इस फिल्म के लिए उन्हें नेशनल अवार्ड भी मिला था.

कंगना रनौत (Kangana Ranaut) ने कहा, "ये सच नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि द डर्टी पिक्चर, जैसा मैं हमेशा कहती हूं, बहुत ही अच्छी थी! लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं इसे विद्या बालन से बेहतर कर पाती क्योंकि फिल्म में बहुत बेहतरीन थी. लेकिन हां, कई बार मुझे महसूस हुआ कि मैंने फिल्म को पोटेंशियल नहीं देखा. मैं द डर्टी पिक्चर में अवसर देखने में असफल हो गई, मुझे इसका कोई अफसोस नहीं है.

कंगना रनौत ने आगे कहा, मैंने कभी भी राजकुमार हिरानी या संजय लीला भंसाली या यहां तक कि धर्मा प्रोडक्शन, वाईआरएफ या किसी अन्य खान फिल्म्स की कन्वेंशनल फिल्म्स नहीं की. मैंने इनमें से किसी की फिल्म में काम नहीं किया फिर भी मैं एक टॉप लीडिंग एक्ट्रेस हूं, जिसने खुद अपना नाम कमाया है. यह अपने आप में ही केस स्टडी है. कंगना रनौत ने हाल में ही बॉलीवुड में अपने 15 साल पूरे किए हैं. उन्होंने फिल्म 'गैंगस्टर' से डेब्यू किया था.

मैड्रिड में ट्यूनीशिया के ओनस जेबियूर स्विटजरलैंड के बेलिंडा बेनसिस की ओर रिटर्न शॉट खेलते हुए।

आईपीएल 2021 के सभी मैच रद्द

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बेकाबू होती कोरोना महामारी के बीच आईपीएल 2021 के शेष मैचों को रद्द कर दिया गया है। बताया जाता है कि आईपीएल खेल रहे खिलाड़ियों के लगातार कोरोना संक्रमित होने के बीच मंगलवार को बीसीसीआई की अहम बैठक हुई। पहले इस पर विचार किया गया कि क्यों न मैचों को हफ्ते भर के लिए टाल दिया जाए, लेकिन बाद में खबर आई कि आईपीएल के सभी मैचों को रद्द कर दिया गया है। खासतौर पर विदेशी खिलाड़ियों को इस मामले में जबरदस्त प्रेशर था। दो दिन में तीन खिलाड़ियों को कोरोना होने के बाद यह फैसला लिया गया है। कपिल देव समेत कई पूर्व खिलाड़ियों ने इस फैसले की तारीफ की है। सभी का कहना है कि खिलाड़ियों की जिंदगी की परवाह पहले होना चाहिए। खिलाड़ियों के लिए बायो बबल में रहना भी मुश्किल है। बीसीसीआई पदाधिकारियों के इस फैसले की बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी पुष्टि कर दी है। कहा जा रहा है कि जब भी हालात सामान्य होंगे तब बीसीसीआई मुंबई में मैच करवाने की कोशिश करेंगे। तब ही नया शेड्यूल जारी किया जाएगा।

अब लीग से जुड़े 2 और खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। इनमें एक सनराइजर्स हैदराबाद के ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा शामिल हैं। खबर है कि साहा पिछले 4-5 दिनों से आइसोलेशन में थे।

आईपीएल को टाल दिया गया है। अगर इसे पूरी तरह रद्द कर दिया जाता है अभी तो बोर्ड को करीब 2000 करोड़ का नुकसान होगा। साथ ही इस साल भारत की मेजबानी में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप पर भी खतरा मंडराने लगेगा। भारत से मेजबानी छीनी जा सकती है। इससे भी बीसीसीआई को करोड़ों का नुकसान होगा।

ऑस्ट्रेलियाई कमेंटेटर स्लेटर ने पीएम मॉरिसन पर साधा निशाना, यात्रा प्रतिबंध को बताया अपमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और कमेंटेटर माइकल स्लेटर वर्तमान में आइपीएल 2021 में कमेंट्री कर रहे हैं और उन्होंने यात्रा प्रतिबंध को लेकर अपने देश के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन पर निशाना साधा है। उन्होंने इसे अपमान बताया है। बता दें कि भारत में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर उफान पर है। इसके चलते ऑस्ट्रेलिया भारत से आने वाली किसी भी कमर्शियल विमानों पर रोक लगा दी है। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आइपीएल में व्यस्त हैं उन्हें स्वदेश लौटने के लिए खुद से व्यवस्था करनी होगी। माइकल स्लेटर ने ट्वीट करके कहा कि अगर हमारी सरकार ने ऑस्ट्रेलियाई लोगों की सुरक्षा की चिंता करती तो वे हमें घर लौटने की अनुमति देती। यह एक अपमान है !! प्रधानमंत्री के हाथ खून से रंगे हैं। आप हमारे साथ ऐसा व्यवहार कैसे कर सकते हैं। आपके क्वारंटाइन सिस्टम को क्या हुआ। मुझे आइपीएल में काम करने के लिए सरकार की अनुमति मिली थी, लेकिन मुझे अब सरकारी उपेक्षा झेलनी पड़ रही है।

बता दें कि बीते सप्ताह ऑस्ट्रेलिया ने 15 मई तक भारत से आने वाली विमानों पर रोक लगा दी है। इतना ही नहीं सरकार ने 14 दिन पहले तक भारत में रहने के बाद लौटने वाले अपने नागरिकों को जेल भेजने या जुमार्ना लगाने की चेतावनी दी है। प्रतिबंध तोड़ने वालों पर पांच साल जेल या फिर लगभग 51,000 डॉलर (करीब 37 लाख रुपये) जुमार्ना लगाने की चेतावनी दी गई है।

यात्रा प्रतिबंध लगने से पहले तीन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्वदेश लौट गए थे। फिलहाल 14 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी लीग में खेल रहे हैं। आइपीएल का आयोजन ऐसे वक्त हो रहा है, जब देश लगातार कई दिनों से तीन लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

हालांकि, इसका आयोजन बंद दरवाजों के पीछे हो रहा है, लेकिन टूनामेंट पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (ङङफ) के दो खिलाड़ी और चेन्नई सुपरकिंग्स से जुड़े कुछ सदस्य कोरोना से संक्रमित हो गए हैं।

हरमनप्रीत कौर, स्मृति जेमिमा और दीप्ति द हण्ड्रेड में खेलेंगी

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने चार महिला क्रिकेटरों हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधान, जेमिमा रोड्रिगिज और दीप्ति कुमारी को इंग्लैंड की क्रिकेट लीग द हण्ड्रेड में खेलने के लिए (अनापत्ति प्रमाण पत्र) एन ओ सी दे दी है। आठ टीमों के बीच खेली जाने वाली इंग्लिश लीग 21 जुलाई से शुरू होगी।

भारत की महिला टीम को जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है, जहां वो 16 जून को बिस्टल में इंग्लैंड के साथ एक टेस्ट खेलेगी। इसके बाद 15 जुलाई को आखिरी टी20 के साथ दौरे का समापन करेगी। टेस्ट और टी20 सीरीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी होनी है। ऐसे में द हण्ड्रेड खेलने वाली इन खिलाड़ियों को इंग्लैंड में टूनामेंट खत्म होने के बाद रूकना पड़ सकता है।

जिन चार खिलाड़ियों को द हण्ड्रेड में खेलने की अनुमति दी गयी है, उनमें हरमनप्रीत कौर , स्मृति मंधाना , जेमिमा रोड्रिगिज और दीप्ति कुमारी भी शामिल हैं। वहीं महिला मुकाबले के लिए 24 विदेशी खिलाड़ियों का करार होना है, जिसमें 20 का करार हो गया है। इन 20 में 11 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल हैं। मार्च में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली घरेलू टी20 सीरीज के दौरान मंधाना, भारतीय टीम की उप-कप्तान थीं। महिलाओं में कोई प्लेयर ड्राफ्ट नहीं होगा। टीम का चयन उनके मुख्य कोच करेंगे। हर टीम ज्यादा से ज्यादा इंग्लैंड के केन्द्रीय अनुबंध के तीन खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है।

मुक्केबाजी महासंघ के निदेशक सचेटी का निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के कारण भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के कार्यकारी निदेशक आर के सचेटी का मंगलवार को निधन हो गया है।

सचेटी 56 वर्ष के थे। वह पिछले कुछ समय से यहां एक अस्पताल में वेंटीलेटर पर थे। वहीं बीएफआई ने अपने एक बयान में कहा, बेहद दुख के साथ हम आपको जानकारी दे रहे हैं कि सचेटी हमें हमेशा के लिए छोड़कर चले गये हैं जिससे खेल जगत में एक बड़ा शून्य आ गया है। वहीं भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भी सचेटी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

आईओए महासचिव राजीव मेहता ने अपने एक बयान में कहा, आईओए के संयुक्त सचिव, बीएफआई के कार्यकारी निदेशक और प्रिय मित्र राजकुमार सचेटी के असामयिक निधन से बहुत दुखी हूं। इसके अलावा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने भी उनके निधन पर शोक जताया है।

सनराइजर्स हैदराबाद के ऋद्धिमान साहा हुए कोविड-19 पॉजिटिव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। साहा के कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव आने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2021 को फिलहाल निलंबित करने का फैसला लिया है। बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने कहा कि आईपीएल 2021 को फिलहाल सस्पेंड कर दिया गया है, उन्होंने साफ किया कि टूनामेंट रद्द नहीं किया गया है और देखना होगा कि बाकी बचे मैच कब कराए जा सकेंगे। साहा से पहले सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के वरुण चक्रवर्ती और संदीप वॉरियर कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बॉलिंग कोच लक्ष्मीपति बालाजी की कोविड-19 टेस्ट की रिपोर्ट सोमवार को पॉजिटिव आई थी। आईपीएल में आज सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच मैच खेला जाना था। यह मैच शाम को 7:30 बजे से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना था। बायो बबल में कोविड-19 के कई मामले पाए जाने के बाद आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया।

अनुभवी फुटबॉल प्रशासक और हिंदुस्तान एफसी के मालिक डी.के. बोस का निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अनुभवी फुटबॉल प्रशासक और हिन्दुस्तान एफसी के मालिक दिलीप कुमार बोस का कोविड-19 से जूझने के बाद स्थानीय अस्पताल में निधन हो गया। बोस का शनिवार शाम वसंत कुंज के इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर में निधन हुआ। उनकी उम्र 70 बरस से अधिक थी।

बोस के परिवार के अधिकांश सदस्य इस समय इस घातक संक्रमण से जूझ रहे हैं। बोस के पिता का निधन 29 अप्रैल को हुआ और उसी दिन उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बोस कई वर्षों तक दिल्ली सॉकर संघ की कार्यकारी समिति का हिस्सा रहे। फुटबॉल दिल्ली ने बोस के निधन पर शोक जताया।

फुटबॉल दिल्ली के अध्यक्ष शाजी प्रभाकरन ने कहा, खेल के लिए उनके जुनून और समर्पण की तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने दिल्ली में फुटबॉल के लिए काफी योगदान दिया और अपनी कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और समर्पण से भारत में हिंदुस्तान एफसी का नाम बनाया।

उन्होंने कहा कि उनका निधन निजी क्षति है। मैं 20 वर्ष से अधिक समय से उन्हें जानता हूं। हम डीके बोस बो क्षमतावान प्रशासक के रूप में याद रखेंगे जिन्होंने खेल को सब कुछ दिया। दिल्ली फुटबॉल के लिए उनकी जगह की भरपाई करना मुश्किल होगा। हमें उनकी कमी खलेगी।

सेल्बी ने चौथी बार विश्व स्नूकर खिताब जीता

शेफील्ड, (एजेंसी)। मार्क सेल्बी ने चौथी बार विश्व स्नूकर खिताब जीता है। सेल्बी ने दर्शकों से भरे क्रूसिबल थियेटर में हुए फाइनल में शॉन मर्फी को 18-15 से हराकर यह विश्व चैम्पियनशिप अपने नाम की है। सेल्बी से पहले केवल स्टीफन हेंड्री (सात), रोनी ओ सुलिवान, रे रीयर्डन और स्टीव डेविस (छह) ने उनसे अधिक खिताब जीते हैं। सेल्बी इससे पहले 2014, 2016 और 2017 में भी विश्व चैंपियन बने थे। सेल्बी को पिछले साल सेमीफाइनल में ओ सुलिवान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इस 27 दिन के विश्व कप टूनामेंट से इंग्लैंड में इंडोर मुकाबले में एक बार फिर बड़ी संख्या में दर्शकों की वापसी हुई है। कोरोना महामारी के कारण पिछले एक साल से दर्शक स्टेडियम में नहीं आ रहे थे पर अब पाबंदियां घटने के कारण उन्हें स्टेडियम आने की अनुमति मिल गयी है।

इंग्लैंड में मार्क सेल्बी विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप में खेलते हुए।

टोक्यो में जापान की मिनामी और मैटसूरी फिना डाइविंग विश्वकप में भाग लेती हुईं।

एशियाई खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता जीएम खान का 74 वर्ष के उम्र में निधन

जयपुर, (एजेंसी)। एशियाई खेल 1982 के स्वर्ण पदक विजेता घुड़सवार कर्नल (सेवानिवृत्त) गुलाम मोहम्मद खान का शनिवार को पुणे में निधन हो गया। खान 74 बरस के थे और वह 1973 में भारतीय सैन्य अकादमी से जुड़े। एक साल बाद उन्हें अकादमी का सर्वश्रेष्ठ राइडर चुना गया। उन्होंने 1980 से 1990 तक एएससी टीम की कप्तानी की और इस दौरान उनकी टीम ने छह बार राष्ट्रीय खिताब जीता जबकि वह 4 बार व्यक्तिगत राष्ट्रीय चैंपियन भी रहे। दिल्ली एशियाई खेल 1982 में वह इवेंटिंग में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। उन्होंने व्यक्तिगत रजत पदक भी जीता। सोल में 1986 में ड्रेसेज और इवेंटिंग स्पधाओं में कांस्य पदक जीतने वाली टीमों का भी वह हिस्सा थे।

दिल्ली कैपिटल्स की पूरी टीम हुई होटल में क्वारंटीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन को कोरोना महामारी के बीच कराए जाने का भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का फैसला चुनौतीपूर्ण होता नजर आ रही है। सोमवार 3 मई को कोलकाता नाइटराइडर्स के 2 खिलाड़ियों को कोरोना संक्रमित पाया गया। वरुण चक्रवर्ती और संदीप वॉरियर कोरोना टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए जिसके बाद शाम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ होने वाले कोलकाता के मैच को स्थगित करना पड़ा है। बायो बबल में शामिल कोलकाता के दो खिलाड़ियों को कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद बीसीसीआइ भी चिंता में है। सभी फ्रेंचाइजी टीम को खास एहतियात बरतने को कहा गया है। इस बीच खबर है कि दिल्ली कैपिटल्स की टीम को क्वारंटाइन होने कहा गया है। कोरोना के मामले के सामने आने के बाद बीसीसीआइ की तरफ से ऐसा फैसला लिया है। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से बयान में कहा गया, हमने अपना आखिरी मैच कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ खेला था तो इसी वजह से हमें क्वारंटाइन में रहने की सलाह दी गई है। हम सभी ने अब खुद को अपने-अपने कमरे में आइसोलेट कर लिया है।

गौरतलब है दिल्ली की टीम ने कोलकाता की टीम के साथ 25 अप्रैल को मैच खेला था। इस मैच के दौरान कोलकाता के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी खेल रहे थे। वो प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे और सोमवार को उनके कोरोना संक्रमित होने की खबर आई। मैच के बाद दोनों ही टीम के खिलाड़ी आपस में बैठकर बातें करते पाए गए थे। इसी वजह से बोर्ड की चिंता बढ़ी हुई है। दिल्ली की टीम को अगला मुकाबला कोलकाता के खिलाफ ही 8 मई को खेलना है।

पहले साथी हुआ कोरोना संक्रमित फिर मिली रिश्तेदार के मौत की खबर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले टूनामेंट के 30वें मुकाबले को स्थगित करना का फैसला लिया गया। इसके पीछे की वजह थी कोलकाता के दो खिलाड़ियों का कोरोना पॉजिटिव पाया जाना। वरुण चक्रवर्ती और संदीप वॉरियर को संक्रमित पाया गया जिसके बाद बीसीसीआइ ने मैच स्थगित कर दिया। लोगों ने टूनामेंट को जारी रखने पर सवाल उठाए लेकिन शाम तक बीसीसीआइ ने यह साफ कर दिया कि फिलहाल ऐसा कुछ नहीं होने वाला। टूनामेंट जारी रखा जाएगा और इसके लिए फ्रेंजाइजी टीम का भी समर्थन हासिल है। इसी बीच बोर्ड की तरफ से कोलकाता के खिलाफ मैच खेलने वाली टीम दिल्ली कैपिटल्स को क्वारंटाइन होने का सुझाव दिया गया। कोलकाता के खिलाड़ी शेल्डन जैक्शन के लिए सोमवार का दिन अच्छा नहीं रहा। एक तरफ उनकी टीम के दो साथी कोरोना पॉजिटिव पाए गए तो वहीं उनके एक रिश्तेदार के मौत की भी खबर आई। उन्होंने ट्विटर पर इस बात की जानकारी दी और बताया कि उन्होंने अपने के बेहद करीबी रिश्तेदार को खो दिया है। मैंने आज शाम अपनी चाची को खो दिया। जब मुझे इस सीजन में कोलकाता की तरफ से चुना गया तो वह सबसे ज्यादा खुश होने वाली इंसान थी। इसी वजह से मैं टीम की तरफ से खेलना जारी रखूंगा।